पौष शुक्ल पक्ष - 4, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 171 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 दिसंबर 2025 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर
# दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
26.0 अधिकतम
9.8 न्यूनतम

Page-7

# अरावली की ग्रीन वॉल के विरोधियों को निकोबार प्रोजेक्ट पर भी ऐतराज

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अरावली पर बवाल - पार्ट -2

देश में कुछ ताकतें उत्तर भारत के पर्यावरण को बचाने के नाम पर अरावली पर्वतमाला के चारों ओर 1400 किमी लंबी और पांच किलोमीटर चौड़ी हरित पट्टी की योजना का विरोध कर रही हैं। उन्हें बंगाल की खाड़ी में निकोबार व्दीप समूह के उस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर भी ऐतराज है जो सामरिक, रणनीतिक और आर्थिक लिहाज से अंडमान व्दीप समूहों के लिए ही नहीं पूरे भारत को दक्षिण चीन सागर के पास सुरक्षा प्रदान करना चाहता है। वहां भी जयराम रमेश जैसे पर्यावरणविद और सोनिया गांधी जैसी नेता को आदिवासी अस्मिता की चिंता सता रही है। वह समुद्र तट के आसपास पेड़ों के नुकसान को लेकर भी आपत्ति जता रहे हैं। जबकि निकोबार व्दीप पर होने वाले पेड़ों के नुकसान की भरपाई भारत सरकार अरावली पर्वतमाला पर पेड़ लगाकर कर रही है। 2021 में आई भारत सरकार की निकोबार परियोजना बहुउद्देशीय और बहुआयामी है। यहां एक बड़े हवाई अड्डे से लेकर बंदरगाह तक बनेगा। दो लाख की आबादी का शहर बसेगा। 91 हजार करोड़ के इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए नोडल एजेंसी के बतौर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम गठित किया गया है। इसे 1988 और 1956 के कंपनी एक्ट के तहत सरकारी उपक्रम के बतौर स्थापित किया गया है। इस प्रोजेक्ट के चार प्रमुख घटक हैं। ग्रीन फील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट, गैलेथिया खाड़ी में बड़ा बंदरगाह, 450 मेगावाट का बिजली संयंत्र और दो लाख की आबादी के लिहाज से आधुनिक टाउनशिप का निर्माण। उद्देश्य सिर्फ पर्यटन या जलमार्ग से माल की आवाजाही का ही नहीं है। सामरिक नजरिए से भी ग्रेट निकोबार द्वीप की भौगोलिक-सामरिक स्थिति भारत की सुरक्षा और समुद्री क्षेत्र पर प्रभाव बनाने के लिहाज से अहम् है। यह मलक्का की संकरी खाड़ी के मुहाने पर स्थित है जो संकरी होने के साथ ही दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। एक-तिहाई वैश्विक समुद्री व्यापार यहीं से होकर गुजरता है। यही नहीं यह इलाका सुंडा खाड़ी, लोम्बोक खाड़ी और कोको द्वीपसमूह के भी निकट है , जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र के महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंटस माने जाते हैं। गैलेथिया खाड़ी में बंदरगाह बनने से भारत जल मार्ग से माल परिवहन खुद करेगा जबकि अभी 75 फीसदी माल के लिए वह दूसरे देशों के बंदरगाहों पर निर्भर है। यहीं नहीं यह बंदरगाह ग्रेट निकोबार की मलक्का खाड़ी से निकटता के चलते वर्तमान में सिंगापुर या कोलंबो होकर जाने वाले मालवाहक (कार्गो) जहाजों को भी आकर्षित करेगा। यह परियोजना भारत की मुख्य भूमि और अन्य स्थलों से निकोबार द्वीप की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, जिससे यह द्वीप पर्यटन, व्यापार और रणनीतिक लॉजिस्टिक्स के लिए अधिक सुलभ बन जाएगा। देश की सुरक्षा के लिहाज से देखें तो ग्रेट निकोबार पर नौसेना-उपयोग वाले डीप वाटर पत्तन और हवाई अड्डा विकसित करके यह प्रोजेक्ट अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में पहले से स्थापित सैन्य कमान को मजबूत करेगी। भारत को पूर्वी हिंद महासागर के सामरिक चौराहे के पास पोत, विमान और ड्रोन तैनात करने की सुविधा मिलेगी, जिससे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की निगरानी होगी और भारत की सुरक्षा क्षमता बढ़ेगी। खुद का बंदरगाह होने से विदेशी मुद्रा की बचत, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और लॉजिस्टिक्स हब के विस्तार जैसे अनेक आर्थिक लाभ मिलेंगे।

### चीन की चिंता और देश के भीतर विरोध

इस प्रोजेक्ट से चीन सहित कुछ दूसरे देश वे चिंतित हो रहे हैं जो भारत की तरक्की से ईर्ष्या रखते हैं। उनके अपने देश के हित के हिसाब से यह जायज भी है। लेकिन देश के भीतर से कई लोग जनजातीय अधिकार और पर्यावरण के नाम पर इसका विरोध कर रहे हैं। यह चिंता जताई जा रही है कि यह परियोजना ग्रेट निकोबार द्वीप के कमजोर जनजातीय समूह शोमपेन के साथ और दूसरी निकोबारी जनजातियों पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी। प्रोजेक्ट के चलते बड़ी संख्या में भारत के विभिन्न हिस्सों से मजदूर आएंगे तो वे ऐसी बीमारियां लाएंगे जिनके प्रति उनके पास कोई प्रतिरोधक क्षमता नहीं हैं। प्रोजेक्ट के विरोधियों की यह दलील भी है कि ग्रेट निकोबार भारत के सबसे समृद्ध जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां अब भी 85 फीसदी से अधिक क्षेत्र उष्णकटिबंधीय वर्षावनों से आच्छादित है। जिस गैलेथिया की खाड़ी में नया बंदरगाह बनना है वह रामसर कन्वेंशन के तहत संरक्षित आर्द्रभूमि है और यह क्षेत्र विलुप्त हो रहे लेदरबैक समुद्री कछुए की नेस्टिंग साइट है। संरक्षणवादियों को आशंका है कि पत्तन के निर्माण के लिए समुद्र तल से लाखों घन मीटर की खुदाई करनी पड़ेगी, जिससे प्रवाल भित्तियां और समुद्री घास के मैदान नष्ट हो सकते हैं। कछुओं की नेस्टिंग साइट्स वाले पुलिनों (तटों) में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। लगभग 9.6 लाख पेड़ों की कटाई की जाएगी, जिससे क्षेत्र की कार्बन अवशोषण क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। वे चाहते हैं कि यह प्रोजेक्ट इसलिए भी रोक दिया जाए क्योंकि यह भूकंप संभावी इलाका है। ग्रेट निकोबार परियोजना के माध्यम से संचार, व्यापार और रक्षा को मजबूत करने में निस्संदेह मदद मिलेगी, किंतु निकोबार द्वीप की पारिस्थितिक महत्ता, जनजातीय अधिकारों और आपदा से जुड़ी चुनौतियों का भी ख़याल रखना पड़ेगा। चरणबद्ध, पारिस्थितिकी लिहाज से अनुकूल और समुदाय-समावेशी विकास मॉडल को अपनाने की कोशिश भी की जा सकती है। की भी जानी चाहिए, लेकिन जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के नाम पर देश की सुरक्षा की अनदेखी नहीं की जा सकती। (समाप्त)

## इसरो ने रचा इतिहास

# जंगल और पहाड़ों से भी कर सकेंगे वीडियो कॉल

**श्रीहरिकोटा, एजेंसी**

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने आज सुबह LVMx-M-6 रॉकेट से अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। 6,100 किलोग्राम वजनी ब्लूबर्ड, भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पहले, नवंबर में लॉन्च किया गया LVMx-M5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-3 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसे जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया गया था। ब्लूबर्ड सैटेलाइट लॉन्च होने के बाद अब इसके जरिए धरती पर पहाड़, जंगल और रेगिस्तान, कहीं से भी 4 जी और 5 जी वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध होंगी।

» अब तक का सबसे भारी 6100 किलो का अमेरिकी सैटेलाइट कक्षा में स्थापित
» अब सीधे अंतरिक्ष से जुड़ेगा स्मार्टफोन
» अमेरिका की एएसटी स्पेस मोबाइल कंपनी ने बनाया उन्नत उपगृह
» ग्लोबल लॉन्च मार्केट में मजबूत हुआ भारत
» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को दी बधाई

**हम साथ-साथ हैं... निकाय चुनाव से पहले गठबंधन, राज ठाकरे बोले-मुंबई का मेयर मराठी होगा**

# 20 साल बाद एक हुए उद्धव-राज ठाकरे कहा- हमारी सोच एक, बटेंगे तो बिखरेंगे

**मुंबई, एजेंसी**




महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे 20 साल बाद एक साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे मिलकर बीएमसी चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को दोनों भाईयों ने एक साथ जॉइंट प्रेस कांफ्रेंस करके इसका ऐलान किया। गठबंधन को लेकर उद्धव ने कहा कि हमारी सोच एक है, अगर बटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी।

प्रेस वार्ता में उद्धव ठाकरे में कहा कि दिल्ली में बैठे लोग मुंबई को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक साथ रहने के लिए साथ आए हैं। किसी भी झगड़े से बड़ा हमारे लिए मुंबई और महाराष्ट्र है। उन्होंने आगे कहा ठाकरे परिवार ने मुंबई के लिए संघर्ष किया है। मराठी अगर झुक जाएंगे तो खत्म हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि सीटों पर जल्द फैसला होगा। उद्धव ने इसके साथ ये भी एलान किया कि गठबंधन मुंबई से बाहर भी होगा। वहीं एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने एलान किया कि मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और हमारा होगा।

पिछले पांच महीने में यह दूसरा मौका है जब ठाकरे भाईयों ने मंच साझा किया। इसी साल जुलाई में मुंबई के वर्ली डोम में मराठा एकता रैली में उद्धव और राज एक साथ आए थे। इससे पहले 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में अगले साल जनवरी में चुनाव होने हैं। उसमें बृहन्मुंबई नगर निगम , पुणे नगर निगम (पीएमसी) भी शामिल हैं। वोटिंग 15 जनवरी को होगी और रिजल्ट 16 जनवरी को आएगा।

### मराठी वोटों का ध्रुवीकरण उद्देश्य

अब तक शिवसेना (उद्धव गुट) और एमएनएस (राज ठाकरे) के अलग-अलग रहने से मराठी वोट बंटते थे। अब यह मराठी वोट एकसाथ आ जाएगा। इसका सीधा असर बीजेपी और कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन पर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई नगर निगम का बजट गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के बजट से भी बड़ा है। यही कारण है कि भाजपा, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, कांग्रेस, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यहां अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

# गृह मंत्री अमित शाह आज ग्वालियर में, सत्ता-संगठन की होगी मीटिंग

**ग्वालियर, एजेंसी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय प्रवास पर आज ग्वालियर आ रहे हैं। वे रात 9 बजे पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार ऊषा किरण पैलेसे होटल में पार्टी के संगठन और सत्ता के बीच समन्वय को लेकर एक मीटिंग होगी। ग्वालियर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाह की अगवानी करेंगे। गृहमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन मुस्तैद है। पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने कारकेड निकालकर सुरक्षा तैयारियों की रिहर्सल की । कारकेड के दौरान जहां पर सुरक्षा में कमी दिखी उसे तुरंत ही दुरुस्त कराया है। सुरक्षा के लिए 2500 जवान ग्वालियर पुलिस और एसएएफ के रहेंगे। जबकि 1500 जवान दूसरे जिलों से बुलाए गए हैं। गृहमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने उनके रास्ते में आने जाने वाले मार्ग पर जितनी भी कॉलोनी है उसमें रहने वाले किराएदारों की जानकारी जुटाई गई है। अभी तक पुलिस के पास आए कार्यक्रम में तय नहीं है कि गृहमंत्री पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक निवास पर जाएंगे या नहीं। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री की आज जयंती है।

*ग्वालियर में कल अभ्युदय मप्र ग्रोथ समिट 2025 का आयोजन... पेज -3*

**पुलिस को पार्टनर अब्दुल गफूर की तलाश**

# कनाडा में 30 साल की भारतीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या

**टोरंटो, एजेंसी**

कनाडा के टोरंटो में भारतीय नागरिक हिमांशी खुरानी की निर्मम हत्या कर दी गई। भारतीय दूतावास ने भी इस सनसनीखेज घटना पर दुख जताया है। टोरंटो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जार किया है। भारतीय दूतावास ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम भारतीय युवा नागरिक हिमांशी खुराना की मृत्यु से स्तब्ध और दुखी हैं। शोक की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं।' भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा जताया है। बता दें कि भारत की रहने वाली 30 वर्षीय हिमांशी खुराना का टोरंटो में मर्डर कर दिया गया। पुलिस को शक है कि आरोपी हिमांशी का पार्टनर है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया है। वहीं, 32 वर्षीय अब्दुल गफूर का इस केस से कनेक्शन सामने आया है। शुरुआती जांच में यह मामला पार्टनर के द्वारा हिंसा का मामला लग रहा है।

**एपस्टीन सेक्स स्कैंडल फाइल्स**

# राष्ट्रपति ट्रम्प पर रेप का आरोप सरकार ने कहा - कोई सबूत नहीं

**वॉशिंगटन, एजेंसी**



अमेरिका में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर रेप के आरोप लगे हैं। इस पर जस्टिस डिपार्टमेंट का कहना है कि ये आरोप बिना सबूत के हैं, इन्हें सच नहीं माना जाना चाहिए। मंगलवार देर रात को इस मामले से जुड़े करीब 30 हजार पन्नों के नए दस्तावेज जारी किए हैं। इनमें एक महिला का दावा शामिल है कि ट्रम्प और एपस्टीन दोनों ने उसके साथ गलत काम किया था। इसके अलावा एक ड्राइवर का बयान भी है, जिसने कहा कि उसने ट्रम्प और एपस्टीन को एक लड़की के साथ दुर्व्यवहार की बात करते सुना था। हालांकि, फाइलों में यह नहीं बताया गया कि एफबीआई ने इन बातों की जांच की या नहीं। बताया गया है कि आरोप लगाने वाली महिला की बाद में गोली लगने से संदिग्ध मौत हो गई थी। जस्टिस डिपार्टमेंट ने जोर देकर कहा है कि इन दस्तावेजों में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि ट्रम्प को किसी अपराध का आरोपी माना गया हो या उनके खिलाफ कोई आधिकारिक जांच चली हो। विभाग के मुताबिक, ट्रम्प और एपस्टीन की जान-पहचान जरूर थी और वे कुछ समय तक एक-दूसरे से मिलते रहे थे।

**शंख एयर और अल हिंद को मिली एनओसी**

# इंडिगो की 'दादागिरी' खत्म करने के लिए दो नई एयरलाइंस को मंजूरी

**नईदिल्ली, एजेंसी**




भारत में इंडिगो एयरलाइन के एकाधिकार को खत्म करने के लिए सरकार ने मंत्रालय ने दो नई एयरलाइनों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी किए हैं। सरकार का मानना है कि भारत में कम से कम 5 बड़ी एयरलाइन के लिए गुंजाइश है। अभी इसमें इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा है। पिछले दिनों इंडिगो की सैकड़ों उड़ाने रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सक्षम मीडिया पर बताया कि पिछले एक हफ्ते में उन्होंने नई एयरलाइनों की टीमों से मुलाकात की है जो भारतीय आसमान में उड़ान भरने की तैयारी कर रही हैं। इनमें शंख एयर, अल हिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस शामिल हैं। शंख एयर को पहले ही सरकार से हरी झंडी मिल चुका है जबकि अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को इस हफ्ते क्लीयरेंस दिया गया है। सरकार चाहती है कि एविएशन मार्केट में ज्यादा से ज्यादा एयरलाइनों को बढ़ावा मिले। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट्स में से एक है। उड़ान जैसी योजनाओं ने स्टार एयर, इंडिया वन एयर और फ्लाई91 जैसी छोटी एयरलाइनों को देश के अंदर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में अहम भूमिका निभाने में मदद की है।

**विजय हजारे ट्रॉफी में कारनामा**

# सूर्यवंशी का 'वैभव', 36 गेंद में शतक, 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

**नईदिल्ली, एजेंसी**



वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 36 गेंदों में शतक जड़ दिया है। इसके साथ ही वैभव लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने भारत के ही जहूर इलाही का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम है, जिन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में सेंचुरी ठोकी थी। इसके बाद एबी डिविलियर्स ने 31 गेंदों में शतक जड़कर यह कारनामा किया। भारतीय बल्लेबाजों की ओर से लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम है, जिन्होंने 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ा था। उनके बाद बिहार के वैभव ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में सेंचुरी ठोककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस खास सूची में यूसुफ पठान (40 गेंद, 2010), उर्विल पटेल (41 गेंद, 2023) और अभिषेक शर्मा (42 गेंद, 2021) भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लिस्ट-ए क्रिकेट में इतिहास रचा।

### पंडित नन्दकिशोर शर्मा स्मृति संगीत समारोह का समापन, अंतिम दिन संतूर वादन, कथक नृत्य, वाद्यवृन्द एवं गायन की सभा

# स्वरों की यात्रा के साथ दुर्लभ वाद्यों का संगीत, कथक में नजर आया कला पक्ष का सौंदर्य

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी का प्रतिष्ठित आयोजन दो दिवसीय पंडित नन्दकिशोर शर्मा स्मृति संगीत समारोह का मंगलवार की शाम समापन हो गया। गायन, वादन एवं नृत्य को समर्पित इस समारोह के दो दिवस कलाप्रेमियों ने श्रेष्ठ कलाकारों की साधना को सुना और देखा। समारोह के अंतिम दिवस पहली संगीत सभा युवा एवं गुणी कलाकार श्री निनाद अधिकारी, भोपाल की संतूर वादन की सजी। उन्होंने अपने वादन का प्रारंभ राग झिंझोटी से किया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक अत्यंत कोमल, मधुर और लोक-रस से जुड़ा हुआ राग जिसमें श्रृंगार और करुणा का भाव सहज रूप से प्रकट होता है। निनाद ने आलाप, जोड़ और झाला के साथ राग को विस्तार दिया। उन्होंने विलंबित रचना को तीन ताल में प्रस्तुत किया। राग के सौंदर्य और माधुर्य पक्ष को दर्शाता निनाद का वादन श्रोताओं को सने-सनै भावनात्मक सुकून दे रहा था। मध्य लय की रचना एक ताल और द्रुत रचना तीन ताल में प्रस्तुत कर

अंतिम प्रस्तुति वाद्य वृन्द की रही। सुश्री सोनाली रैदास एवं साथियों द्वारा दुर्लभ वाद्यों पर उस्ताद अलाउद्दीन खां द्वारा रचित सेनिया घराने की रचनाओं को रंजकता के साथ प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सबसे पहले हेम हिंडोल की प्रस्तुति दी, जो दो रागों हेम एवं हिंडोल से मिलकर बनी है। अगली प्रस्तुति राग तिलंग की थी। वाद्यों की सधी और समधुर प्रस्तुति ने पारम्परिक और दुर्लभ रचनाओं से परिचित कराया। इस प्रस्तुति में वर्जित सुरों का अनूठा प्रयोग किया गया है। अंत में निमाड़ी धुन की प्रस्तुति के साथ विराम दिया। इस प्रस्तुति में नलतरंग, इसराज, सारंगी, सितार-बैंजो, रबाब सितार, वायलिन, सरोद, तबला एवं हारमोनियम का प्रयोग किया गया था।

विराम दिया। उनके साथ तबले पर शशांक मिश्रा ने संगत की। इसके बाद पुणे की सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना प्रेरणा देशपाण्डे की कथक नृत्य की रही। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत शिव वंदना के साथ की। ये सुंदर रचना प्रेरणा देशपाण्डे की गुरु पं. रोहिणी भाटे की है। इस प्रस्तुति में भगवान शिव जी की स्तुति को सौंदर्य के साथ प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने अपनी शिष्याओं के साथ तीन ताल में पारम्परिक बंदिशें पेश की, जो नृत्य साहित्य में नटवरी, पखावज और तबले के बोलों से समृद्ध हैं। यह कथक नृत्य का एक विशेष और महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। ताल पश्चात प्रेरणा ने कथक नृत्य का गहरा भाव अंग प्रस्तुत किया। सुप्रसिध्द ठुमरी जमुना किनारे मेरो गांव, सावरे आजइयो, सावरे आजइयो... एक गांव की नारी कृष्णा की याद में गा रही है, को नृत्य करते हुए प्रस्तुत किया।

# बीयू : स्वाध्यायी मोड से पीजी रजिस्ट्रेशन में आ रहीं अड़चनें, एक साथ 2 डिग्री का प्रावधान

## स्टूडेंट्स बीएड के साथ नहीं कर पा रहे पीजी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020-21 के अनुसार छात्र एक साथ दो डिग्री कर सकते हैं, बशर्ते दोनों की कक्षाओं के घंटे समान न हों। छात्र एक रेगुलर और दूसरा कोर्स अन्य मोड से कर सकता है। लेकिन, भोपाल में कई छात्र चाहकर भी बीएड के साथ पीजी यानी दो डिग्री एक साथ नहीं कर पा रहे हैं। प्रदेशभर में एनईपी-2020 सत्र 2020-21 से लागू है।

विश्वविद्यालय और विभाग ने इस संबंध में स्पष्ट गाइडलाइन या एसओपी जारी नहीं की है। ऐसे में कॉलेज निर्णय नहीं ले पा रहे हैं कि छात्रों को दूसरी डिग्री करने की अनुमति देनी है या नहीं।

**स्वाध्यायी मोड :** यह ऐसा माध्यम है जिसमें छात्र को कक्षा ज्वाइन करने के लिए रेगुलर कॉलेज नहीं जाना पड़ता। उनके अलग से रजिस्ट्रेशन कराए जाते हैं। छात्र को सेल्फ स्टडी कर सीधे परीक्षा देकर डिग्री प्राप्त करने की छूट होती है। कोर्स कंटेंट और सिलेबस रेगुलर मोड के छात्रों की तरह ही होता है। इसमें उन्हीं कोर्स को करने की छूट दी जाती है, जिनमें प्रैक्टिकल सब्जेक्ट नहीं होते।

### रेगुलर डिग्री के साथ दूसरा डिग्री कोर्स नहीं

वर्तमान में बीयू द्वारा स्वाध्यायी (प्राइवेट) तरीके से यूजी और पीजी करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराए जा रहे हैं। बीयू से संबद्ध कॉलेजों से बीएड कर रहे छात्र स्वाध्यायी मोड से पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) करने के लिए विभिन्न कॉलेजों में रजिस्ट्रेशन कराने पहुंच रहे हैं। लेकिन कॉलेज उनके रजिस्ट्रेशन नहीं कर रहे हैं। कॉलेजों का तर्क है कि चूंकि विश्वविद्यालय एक ही है, इसलिए छात्र का नामांकन नंबर भी एक ही है। उनके नामांकन नंबर का उपयोग एक ही कोर्स के लिए किया जा सकता है। कुछ कॉलेजों का तर्क है कि एक रेगुलर डिग्री के साथ दूसरा डिग्री कोर्स नहीं किया जा सकता। वे डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

### बीटेक के साथ भी नहीं कर पा रहे डिग्री कोर्स

इसी तरह, कोई छात्र जो आरजीपीवी से बीटेक कर रहा है और अब वह बीयू से भी स्वाध्यायी माध्यम से अन्य कोर्स करना चाहता है, तो कॉलेज द्वारा उससे टीसी/माइग्रेशन सर्टिफिकेट मांगे जा रहे हैं। छात्र का कहना है कि वह दोनों दस्तावेज नहीं दे सकता। इस कारण वह दूसरा कोर्स नहीं कर पा रहा है।

### पीजी में दूसरे विषय से पढ़ाई के लिए सीयूईटी से एडमिशन

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी)-2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसको लेकर आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग ने उन छात्रों को सीयूईटी-2026 में बिठाने के लिए मप्र के सभी कॉलेजों को निर्देश दिए हैं, जो यूजी स्तर पर पढ़े मेजर और माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य सब्जेक्ट से पीजी करना चाहते हैं। दरअसल, पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार यूजी की डिग्री उत्तीर्ण स्टूडेंट्स मेजर या माइनर सब्जेक्ट में पीजी के लिए पात्र होंगे या संबंधित विषय में सीयूईटी या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। उदाहरण के लिए कोई छात्र यूजी स्तर पर मेजर विषय के तौर पर गणित और फिजिक्स विषय पढ़ रहा है। उसे पीजी कैमिस्ट्री से करनी है तो प्रवेश परीक्षा देनी होगी। सिस्टम की दो परेशानियां हैं इनमें पहली विवि स्तर की परीक्षा, स्थिति साफ नहीं और दूसरी विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि जिन विषयों में छात्र सीयूईटी नहीं देना चाहते या जहां सीयूईटी उपलब्ध नहीं है, वहां विश्वविद्यालय स्तर पर प्रवेश परीक्षा होगी या नहीं। इससे प्रवेश प्रक्रिया को लेकर असमंजस बना हुआ है।

### देर रात तक चर्च पहुंचेंगे श्रद्धालु, कैरोल गीतों की गूंज सुनाई देगी

# गिरिजाघरों में आधी रात होगा प्रभु यीशु का जन्म, सज गई चरनियां

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

शहर क्रिसमस को लेकर उत्साह चरम पर है। प्रदेशभर के चर्च (गिरजाघर) आकर्षक रोशनी से सजाए गए हैं और आज रात 12 बजे प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के विशेष आयोजन होंगे। देर रात विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाएंगी, जिसके बाद केक काटा जाएगा, लोग एक-दूसरे को गले लगाकर क्रिसमस की शुभकामनाएं देंगे और कैरोल गीतों की गूंज सुनाई देगी। राजधानी भोपाल के सभी चर्च में प्रभु यीशु के जन्म को दर्शाने वाली सुंदर चरनियां बनाई गई हैं। प्रतीकात्मक रूप से चर्च के साथ-साथ कई घरों में भी चरनी सजाई गई हैं।

**इन चर्च में होंगे आयोजन :** कैथोलिक गिरजाघर असम्पशन, अरेरा कॉलोनी, लूथ मेरी चर्च, सेवा सदन, इन्फेंट जीसस, अयोध्या बायपास, होली फैमिली, हबीबगंज सेंट जोसेफ, ईदगाह, बरखेड़ा सहित अन्य गिरजाघर शामिल हैं।

शहर में जगह-जगह आर्टिफिशियल और नेचुरल तरीके से क्रिसमस ट्री सजाए गए हैं। चर्च के अलावा कई घर भी रोशनी से जगमगाते नजर आ रहे हैं। देर रात और सुबह सांता क्लॉज बच्चों को गिफ्ट बांटेंगे। लाल टोपी लगाए बच्चे और युवा खुशियां मनाते दिखेंगे, वहीं कई स्थानों पर सामूहिक कैरोल गायन भी होगा।

# एंटी-रैगिंग जागरुकता और संवेदनशीलता का कार्यक्रम

**संतनगर, दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन एंटी-रैगिंग कमेटी और महिला सेल द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता कशिश सिंह जैसवाल थीं। जबकि पूजा बानखेडे और शिखा बानखेडे सत्र की प्रशिक्षक थीं। कशिश सिंह ने छात्रों को एंटी-रैगिंग नियमों, लिंग आधारित हिंसा, छात्रों के अधिकार, सुरक्षा उपायों और समानता से अवगत कराया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि रैगिंग मानवधिकारो का उल्लंघन है और सुरक्षित समावेश व संक्रात्मक शैक्षणिक वातावरण बनाना संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी का 73वां जन्म दिन मनाया

# गुरु के कार्यों को आगे बढ़ाने वाला ही सच्चा शिष्य

**संतनगर, दोपहर मेट्रो।**

साधु वासवानी स्कूल में मधुवन खुशबू देता है, सागर सावन देता है जीना उसका जीना है जो औरों को जीवन देता है। इस गाते हुए संत हिरदारामजी की शिष्य सिद्धभाऊजी को बच्चों ने 73 वें जन्म दिन की बधाई दी। कार्यक्रम में सुधार सभा के अध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि आज हम उस महान शख्सियत का जन्मदिवस मना रहे हैं, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सेवा कार्यों में अर्पित किया है, उनका जीवन धन्य है उन्हें बच्चों की पढ़ाई की बहुत चिंता है, एक गुरु को सच्ची खुशी तब होती हैं जब उनका शिष्य ऊंचाइयों को छूता हैं। महासचिव कन्हैयालाल रामनानी, नवयुवक सभा के सुरेश राजपाल, आइलदास साधवानी ने कहा, संतजी की राह पर चलकर भाऊजी ने सेवा कार्यों को व्यापक रूप दिया। वे सेवा सिमरन और सत्संग के मार्ग पर चलने का संदेश दे रहे हैं। बच्चों ने अपनी

प्रस्तुतियों से भाऊजी को जन्म दिन की बधाई दी।

**सिद्धभाऊजी के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प:** मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में संत हिरदारामजी के शिष्य सिद्ध भाऊ जी का 73वाँ जन्मोत्सव मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य ए. एन. मणिकंडन ने विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दीं और दीघायु की कामना की। उन्होंने भाऊजी द्वारा बताए ध्यान एवं एकाग्रता को अपनाकर सकारात्मक जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षिका विशिका पंजवानी व छात्र वेदांश गोलानी ने अपने विचार रखे।

### सांसद खेल महोत्सव

# शहरी- ग्रामीण प्रतिभाओं को मिल रहा है मंच

**संतनगर, दोपहर मेट्रो।**

शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम में मंगलवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया, इसमें 35 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सिल्वर एवं गोल्ड मेडल तथा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजनों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि खेल को करियर के रूप में अपनाने वाले युवाओं को हरसंभव प्रोत्साहन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि खेल महोत्सव युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास करता है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा आज भारत की खेल प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर पहचान मिल रही है।

**मेट्रो एंकर**

### पुस्तक पखवाड़ा -2026 का शुभंकर लोकार्पित

# लघुकथा शोध केंद्र ने पुस्तक पखवाड़े को दी वैश्विक पहचान- डॉ. दवे

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

पुस्तकों एवं पाठकों के बीच कृति केंद्रित विमर्श एक सेतु का कार्य करता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने वाले पुस्तक पखवाड़े में जिस तरह से देश और प्रदेश ही नहीं विदेशों में बसे हिंदी सेवियों की कृतियों पर जो विमर्श किया जाता है उसने इस आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय बना दिया है। यह बात साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कही। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आगामी 1 से 18 जनवरी, 2026 तक आयोजित किये जाने वाले पुस्तक पखवाड़े के शुभंकर (लोगो) के लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे रहे थे। इस अवसर पर डॉ. नुसरत मेहदी, निदेशक उर्दू अकादमी

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद ने लघुकथा शोध केंद्र द्वारा समय - समय पर लघुकथा उन्नयन के लिए किये जा रहे विविध नवाचारों की सराहना की। उन्होंने केंद्र के साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। आयोजन में स्वागत उदबोधन के पश्चात् आयोजन की रुपरेखा पर विस्तार से केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के महासचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। आयोजन के दूसरे चरण में एक लघुकथा गोष्ठी हुई जिसमें गोकुल सोनी, चरणजीत सिंह कुकरेजा, विनोद कुमार जैन, मेघा मैथिल, मृदुल त्यागी, सरिता बाघेला, मुफ्फर इकबाल सिद्दीकी, राजकुमार बरुआ, घनश्याम मैथिल, कांता रॉय, मनमोहन चौरे, सरोज लता दवे, मधुलिका सक्सेना, शेफालिका श्रीवास्तव, डॉ. गिरजेश सक्सेना, सुनीता प्रकाश, ज्योति करनजगाँवकर ने अपनी अपनी लघुकथाओं का पाठ किया। इस अवसर पर बांग्लादेश में जारी हिंसा में मारे गए निर्दोष दीपचंद्र दास सहित अन्य नागरिकों की नृशंस हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी निंदा की गईं। कार्यक्रम के अंत में मुफ्फर इकबाल सिद्दीकी ने सभी का आभार प्रकट किया।

# मानव संग्रहालय में शाश्वती उत्सव 29 से

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा शाश्वती का आयोजन 29 दिसम्बर से 2 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। यह एक विशेष महिला-केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य नारी की शाश्वत रचनात्मक शक्ति, सांस्कृतिक योगदान और सामाजिक भूमिका को सम्मान देना एवं व्यापक मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में लगभग 34 महिला कलाकार देश के विभिन्न भागों से आयेंगे और अपने कला की जीवंत प्रस्तुति देंगे।

पहला सृजिका है जहां कलाकार मधुबनी, वारली, मंडना आदि पेंटिंग बनाएंगे, लगभग 34 महिला शिल्पकार अपने सहायक के साथ विशिष्ट शिल्प में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी जो उन्होंने अपने माता-पिता से सीखी थी और अपनी अगली पीढ़ी को सिखाया था। अन्नपूर्णा दूसरा भाग है जहां 16 महिलाएं अपने पारंपरिक व्यंजनों का प्रदर्शन करेंगी। 16 फूड स्टॉल होंगे जहां आपको बंगाल, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र, ओडिशा और मध्य प्रदेश का स्वाद मिलेगा। तीसरा भाग विदुशी है जहां दो लोकप्रिय व्याख्यान होंगे। अंतिम व चौथा भाग वाणीनी होगा, जहां कुचिपुड़ी, कथक और गौड़ीय नृत्य में प्रसिद्ध 3 प्रतिष्ठित नर्तकियों द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन किया जाएगा। शाश्वती का एक प्रमुख आकर्षण सृजनिका है, जो महिला कलाकारों और शिल्पकारों की कला-कौशल को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। इस अंतर्गत लाइव शिल्प प्रदर्शन, सहभागितापूर्ण कार्यशालाएँ एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी। सृजनिका को एक जीवंत शिक्षण-स्थल के रूप में परिकल्पित किया गया है, जहां सीखने, सिखाने और सृजन की प्रक्रिया एक साथ चलती है। यह कार्यक्रम लुप्तप्राय शिल्प परंपराओं के संरक्षण, महिला शिल्पकारों के आर्थिक सशक्तिकरण तथा सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करता है।

## सिंहस्थ 2028 की तैयारियों का अवलोकन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिप्रा नदी पर सिंहस्थ 2028 के लिए बना रहे 29 किलोमीटर लंबे घाटों के संबंध में जानकारी दी। शांति पैलेस के पीछे स्थित दाऊद खेड़ी घाट निर्माण व्यवस्थाओं का भी अवलोकन कराया।

## दो सगे भाईयों की आत्महत्या का मामला, अशोकनगर में पार्षद पर एफआईआर

**अशोकनगर।** मध्य प्रदेश के अशोकनगर में एक पार्षद पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। फरियादी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दो दिन पहले ही प्रशासन ने पार्षद के भाई आजाद खान का फार्म हाउस जमींदोज किया था। दरअसल, छह महीने पहले दो सगे भाइयों ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की थी। जमीन और रुपयों के लेनदेने के मामले में सटोरिये आजाद खान पर कुछ दिन पहले मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा गया था। सटोरिया आजाद खान वार्ड क्रमांक 11 से निर्दलीय पार्षद राशिद खान चिन्ना का भाई है। फरियादी ने राशिद खान पर जीनामा का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। फरियादी का कहना है कि पार्षद राशिद राजनीमा को लेकर उसके घर पहुंचा था। कोतवाली टीआई रवि प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि पूर्व में देहात थाने में मामला पंजीबद्ध हुआ था। इस मामले में आजाद खान को जेल भेजा गया था।

### मंत्री संपतिया बोलीं-सिंगरौली में मात्र 33 हजार पेड़ कटे

# लक्ष्य छह लाख पेड़ काटने का, जरूरत के अनुसार धीरे-धीरे की जाएगी कटाई

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश के सबसे प्रदूषित शहर सिंगरौली में घिरौली कोल ब्लॉक के लिए 6 लाख पेड़ काटे जाने को लेकर कांग्रेस और स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। यह मामला अब अदालत तक भी पहुंच गया है। इस पेड़ कटाई के मुद्दे पर सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री और मध्यप्रदेश की पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने सवालों के जवाब दिए।

पेड़ों की कटाई को लेकर पीएचई मंत्री ने कहा सिंगरौली में बार-बार यह कहा जा रहा है कि 6 लाख पेड़ काटे गए हैं। मैं कल ही सिंगरौली से आई हूं। वहां चर्चा में यह सामने आया कि 6 लाख पेड़ नहीं कटे हैं, बल्कि अब तक मात्र 33 हजार पेड़ ही काटे गए हैं। 6 लाख पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है, लेकिन अभी इतने पेड़ नहीं कटे हैं। विकास कार्यों के तहत आवश्यकता के अनुसार धीरे-धीरे कटाई होगी। जो भी पेड़ काटे गए हैं, वे सभी नियमों और प्रावधानों के तहत काटे गए हैं। यह कहना कि 6 लाख पेड़ कट चुके हैं, सही नहीं है। 6 लाख पेड़ प्रस्तावित हैं, कटे नहीं हैं।

### मंत्री ने गिनाईं दो साल की उपलब्धियां

पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने भोपाल के बाणगंगा स्थित जल भवन में मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर अपने विभाग की उपलब्धियां गिनाईं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में हर घर जल का सपना तेजी से साकार हो रहा है। सरकार का स्पष्ट फोकस हर परिवार तक सुरक्षित और शुद्ध पेयजल पहुंचाना है।

18 दिसंबर 2025 की स्थिति में प्रदेश के 81 लाख 21 हजार ग्रामीण परिवारों (72.87त्न) को घर-घर नल से शुद्ध पानी मिल रहा है। इसे अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है।

**बुरहानपुर बना देश का पहला प्रमाणित हर घर जल जिला-** भारत सरकार ने बुरहानपुर को देश का पहला प्रमाणित हर घर जल जिला घोषित किया है। वहीं, प्रदेश की सभी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं का ह्वक्रुप्रमाणीकरण पूरा होने के साथ मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में देश में अग्रणी बन गया है।

**स्वच्छ जल से सुरक्षा में टॉप-3, राष्ट्रपति पुरस्कार भी मिला-** भारत सरकार के फ्रस्वच्छ जल से सुरक्षाफ्र अभियान में मध्यप्रदेश को देश में तीसरा स्थान मिला। इसके साथ ही छिंदवाड़ा की अनिता चौधरी को जल जीवन मिशन के तहत जल योद्धा श्रेणी में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

**दो साल में बदली गांवों की तस्वीर-** पिछले दो सालों में 13.69 लाख से अधिक नए घरेलू नल कनेक्शन दिए गए। प्रदेश के 10,440 गांवों को हर घर जल ग्राम घोषित किया जा चुका है। वहीं, 64 गांवों में पायलट आधार पर 24म्7 जल प्रदाय की व्यवस्था लागू की गई है।

### कानून, तकनीक और डिजिटल सिस्टम पर जोर

पीएचई मंत्री ने बताया कि बोरवेल हादसों की रोकथाम के लिए बोरवेल अधिनियम लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। योजनाओं की निगरानी के लिए जल रेखा मोबाइल एप और शिकायत निवारण के लिए जल दर्पण पोर्टल शुरू किया गया है। नल जल योजनाओं के 100त्न स्त्रोतों और टंकियों की जियो-टैगिंग, इन्वेंटरी एवं ट्यूबवेल मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, ई-प्रबंधन और ई-ऑफिस सिस्टम के माध्यम से विभाग का कामकाज पूरी तरह डिजिटल किया गया है। सीएम हेल्पलाइन में विभाग लगातार ग्रेड 'A' में बना हुआ है।

### महिलाओं और बच्चों को सीधा फायदा

घर तक पानी पहुंचने से महिलाओं का समय बचा है और बालिकाओं की स्कूल उपस्थिति में वृद्धि हुई है। बारिश के मौसम में जलजनित बीमारियों के मामले नगण्य रहे हैं। 10 लाख से अधिक जल नमूनों की जांच की गई है और महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (FTK) से पानी जांचने का प्रशिक्षण दिया गया है।

### तीन साल में एमपी के हर घर तक पहुंचेगा नल का जल

अगले तीन सालों में सरकार का लक्ष्य 100 फीसदी ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देना, सभी गांवों को हर घर जल प्रमाणित करना और जनजातीय क्षेत्रों में मिशन को तेजी से लागू करना है। साथ ही जल योजनाओं में नवीकरणीय ऊर्जा, 24×7 जल आपूर्ति और सतही स्त्रोतों से पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जाएगा।

## अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट 2025

# समिट में दिखेगी प्रदेश के आर्थिक विकास की तस्वीर

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। इसी उद्देश्य से 25 दिसंबर को ग्वालियर के मेला ग्राउंड में अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट - निवेश से रोजगार का आयोजन किया जाएगा। यह ग्रोथ समिट प्रदेश की औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन और रोजगार आधारित विकास की समग्र तस्वीर को प्रदर्शित करने वाला सबसे प्रभावी मंच साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन के अनुरूप इस समिट में औद्योगिक निवेश के साथ उत्पादन और रोजगार के सृजन पर भी फोकस किया जायेगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहेंगे। उनकी सहभागिता यह संदेश देगी कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास मॉडल केंद्र की प्राथमिकताओं के अनुरूप है और प्रदेश में निवेश सुरक्षित, पारदर्शी और लाभकारी तरीके से लागू किया जाएगा।

ग्रोथ समिट के दौरान 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर आधारित भूमि आवंटन और अनुमोदन संबंधी निर्णय लिये जायेंगे। इसके साथ ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। नए औद्योगिक क्षेत्र, क्लस्टर और प्लग-एंड-प्ले इकाइयों के शुभारंभ से प्रदेश में उत्पादन और उद्योग गतिविधियों को गति मिलेगी। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी व्यापक रूप से विकसित होंगे और युवाओं के लिए नई संभावनाएं उत्पन्न होंगी। कार्यक्रम में निवेशकों को सिंगल-क्लिक प्रणाली के माध्यम से प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस डिजिटल और पारदर्शी प्रणाली से निवेशक परियोजनाएं तेजी से शुरू कर पाएंगे और औद्योगिक इकाइयों को समय पर समर्थन मिलेगा।

### रोजगार और युवाओं का सशक्तिकरण

ग्रोथ समिट का उद्देश्य केवल निवेश नहीं, बल्कि रोजगार सृजन को भी प्राथमिकता देना है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में नए उद्योगों के साथ-साथ रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह पहल यह संदेश देगी कि मध्यप्रदेश में उद्योग और रोजगार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। रोजगार पाने वाले युवाओं को मंच से प्रोत्साहन देने से उनके आत्मविश्वास और उत्पादनशीलता में वृद्धि होगी।

### एमएसएमई, कौशल विकास और स्टार्टअप पर विशेष ध्यान

समिट में एमएसएमई, स्टार्टअप्स, आईटी-आईटीईएस, फूड प्रोसेसिंग, ड्रोन, डिफेंस और फार्मा जैसे क्षेत्रीय और निर्यात आधारित उद्योगों पर केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार सृजन पर केंद्रित सत्र यह दिखाएंगे कि प्रदेश सरकार कुशल मानव संसाधन तैयार करने और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप रोजगार अवसर प्रदान करने पर समान रूप से ध्यान दे रही है।

### जबलपुर में मिले सबसे ज्यादा डेड वोटर्स

# नाम काटे जाने में भोपाल-इंदौर आगे, मल्टीपल एंट्री में बुरहानपुर अव्वल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के ड्राफ्ट प्रकाशन के साथ ही मध्य प्रदेश की मतदाता सूची से जुड़ी पूरी तस्वीर साफ हो गई है। ड्राफ्ट के मुताबिक मृत मतदाताओं की संख्या के मामले में जबलपुर सबसे आगे है। यहां 51 हजार 357 वोटर्स के नाम लिस्ट में थे, जिनकी मौत हो चुकी है। जबकि एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने यानी मल्टीपल एंट्री में बुरहानपुर ने बड़े शहरों को पीछे छोड़ दिया है। 23 हजार 594 वोटर्स के नाम एक से अधिक जगह पर दर्ज हैं। वहीं इंदौर और भोपाल में सबसे अधिक मतदाताओं के नाम कटे हैं और वोटर शिफ्टिंग के मामलों में भोपाल प्रदेश में अव्वल रहा।

एसआईआर के प्रारंभिक चरण में राज्य में कमजोर या धीमे नेटवर्क वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। ऐसे क्षेत्रों के बीएलओ को मजबूत नेटवर्क वाले स्थानों पर जमा होकर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की सुविधा प्रदान की गई, जिससे काम समय पर पूरा किया जा सके। चुनाव आयोग के मुताबिक, ड्राफ्ट में प्रदेश के 42.74 लाख वोटर्स बाहर हो गए हैं। प्रदेश में 8 लाख 65 हजार 832 ऐसे मतदाता हैं, जिनसे आयोग संपर्क नहीं कर पाया। इनका डेटा 2003 की एसआईआर सूची से मिलान नहीं हुआ। आज बुधवार से प्रदेश के 8.65 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस जारी होंगे। उन्हें चुनाव आयोग के तय 11 दस्तावेजों को बीएलओ के समक्ष पेश करना होगा। इसके आधार पर उनका नाम मतदाता सूची में जुड़ सकेगा।

### सबसे अधिक वोटर भोपाल में हुए शिफ्ट

प्रदेश में सबसे अधिक 2 लाख 86 हजार 661 वोटर भोपाल में शिफ्ट हुए हैं। इसके बाद इंदौर में 1 लाख 97 हजार 898, ग्वालियर में 1 लाख 48 हजार 273, जबलपुर में 1 लाख 15 हजार 437 और सागर में 80 हजार 901 वोटर शिफ्ट होना पाए गए हैं। सभी जिलों को मिलाकर कुल शिफ्टेड वोटर्स की संख्या 22 लाख 78 हजार 393 है। दूसरी ओर एबसेंट वोटर्स की रिपोर्ट से पता चलता है कि इंदौर में सबसे अधिक 1 लाख 75 हजार 424 मतदाता अनुपस्थित पाए गए। इसके बाद भोपाल में 1 लाख 1 हजार 503, जबलपुर में 66 हजार 678, ग्वालियर में 61 हजार 520 मतदाता एबसेंट मिले हैं। सभी जिलों में एबसेंट वोटर्स का आंकड़ा 8 लाख 42 हजार 677 है।

### मृत वोटर्स की लिस्ट में जबलपुर सबसे ऊपर

प्रदेश के जबलपुर जिले में सबसे ज्यादा 51 हजार 357 वोटर्स मिले हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। इंदौर में 43 हजार 741, सागर में 36 हजार 467, भोपाल में 33 हजार 791, धार में 27हजार 943 वोटर्स की मृत्यु होना पाया गया है। ग्वालियर में 27 हजार 852 और उज्जैन में 27 हजार 851 वोटर की मृत्यु हो गई है। सभी जिलों को मिलाकर डेड कैटेगरी वाले वोटर्स की संख्या 8 लाख 46 हजार 184 है। दूसरी ओर इंदौर जिला नो मैपिंग वाले मतदाताओं में 1 लाख 33 हजार 696 वोटर्स के साथ आगे है। भोपाल में 1 लाख 16 हजार 925, जबलपुर में 69 हजार 394, ग्वालियर में 68 हजार 540 और उज्जैन में 48 हजार 35 मतदाताओं के नाम नो मैपिंग कैटेगरी में शामिल किए गए हैं। सभी जिलों में यह संख्या 8 लाख 65 हजार 832 है।

### मप्र में लूट व चोरी की बड़ी वारदातों का बड़ा खुलासा

# पुलिस ने 68 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति की बरामद

**भोपाल।** मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिछले एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में लूट, चोरी तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाइयाँ की गई हैं। हैं। इन कार्रवाइयों में पुलिस ने त्वरित विवेचना, तकनीकी विश्लेषण एवं सशक्त मुखबिर तंत्र के माध्यम से आरोपियों को गिरफ्तार कर 68 लाख रूपए से अधिक मूल्य की संपत्ति बरामद की है।

**सीहोर-** थाना शाहगंज पुलिस ने बिजली कंपनी से चोरी हुए लोहे के पोल और पाइप बरामद कर 90 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की। इसी प्रकार थाना जावर पुलिस ने ग्राम कजलास की चोरी का खुलासा करते हुए 30 तोला सोना, 3 किलो चांदी और 2 लाख रूपए नगद सहित लगभग 48 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

**ग्वालियर-** थाना कम्पू पुलिस ने शराब कारोबारी के मुनीम से हुई लूट की घटना का खुलासा कर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने लूटी गई 1 लाख 70 हजार रूपए की राशि और घटना में प्रयुक्त कार जब्त की।

**विदिशा-** थाना कोतवाली पुलिस ने दुकान में चोरी के प्रकरण में एक आरोपी एवं एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया। टीम ने 11 बैटरियाँ, एक ऑटो समेत 2 लाख 64 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की। इसके अतिरिक्त शहर के राम जानकी मंदिर, शंकर नगर और मुखर्जी नगर क्षेत्रों में हुई चोरियों का भी खुलासा किया गया। 130 से अधिक सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और पूछताछ के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चांदी के आभूषण, नगदी और मोटरसाइकिल सहित कुल 3 लाख 75 हजार की संपत्ति जब्त की है।

### धार में सीमेंट्र फैक्ट्री का विरोध, कांग्रेस ने आदिवासियों के साथ किया प्रदर्शन

**धार।** मध्य प्रदेश कांग्रेस ने धार जिले में सीमेंट फैक्ट्री उद्योग शुरू किए जाने की प्रक्रिया का विरोध किया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार अपने कार्यकर्ताओं के साथ कुक्षी में धरने पर बैठे। इस दौरान सिंघार ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन पर कब्जा करना चाहती है।

### मेट्रो एंकर | उज्जैन में शिप्रा नदी की स्वच्छता है सबसे बड़ी चुनौती

# अब नदियों की सेहत से तय होगी स्वच्छ शहरों की रैंकिंग

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 ने देशभर के शहरों के लिए स्वच्छता की परिभाषा ही बदल दी है। अब केवल सड़कें साफ होना या कचरे का समय पर उठना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि शहर की रैंकिंग उसकी नदी की सेहत से भी सीधे तौर पर जुड़ गई है। केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन में रिवर टाउन की अवधारणा को और मजबूत किया गया है। नर्मदा, शिप्रा, गंगा जैसी प्रमुख नदियों के तट पर बसे शहरों के लिए जल गुणवत्ता, घाटों की स्वच्छता और नदी किनारे रहने वाले नागरिकों का अनुभव निर्णायक होगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को 12,500 अंकों की राष्ट्रीय परीक्षा की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें रिवर टाउंस के लिए अलग से कड़े मानक तय किए गए हैं। नदी घाटों की सफाई, सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट का निस्तारण और नदी में गिरने वाले नालों की स्थिति का गहन आकलन होगा। केवल कागजी दावों से नहीं, बल्कि मौके पर वास्तविक स्थिति देखकर अंक दिए जाएंगे।

मोक्षदायिनी शिप्रा के तट पर बसी उज्जैन और नर्मदा किनारे स्थित ओंकारेश्वर के लिए यह सर्वे सबसे बड़ी परीक्षा बन गया है। उज्जैन के लिए शिप्रा सिर्फ नदी नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और पहचान का आधार है। सिंहस्थ महाकुंभ जैसी विश्वस्तरीय धार्मिक परंपरा इसी नदी से जुड़ी है। नई गाइडलाइन के बाद शिप्रा सीधे स्वच्छता आकलन के केंद्र में आ गई है।

### सुपर स्वच्छता लीग में उज्जैन

उज्जैन देश के चुनिंदा टॉप-छह मझोले शहरों (तीन से 10 लाख आबादी) में शामिल है, जिन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 'सुपर स्वच्छता लीग' में स्थान मिला है। लेकिन इस बार चुनौती और कठिन है। शिप्रा की स्वच्छता में कान्ह नदी बड़ी बाधा बनकर सामने आ रही है। कान्ह नदी का प्रदूषित पानी शिप्रा में मिल रहा है, जिससे जल गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

### सीवरेज प्रोजेक्ट पर सवाल

उज्जैन में भूमिगत सीवरेज प्रोजेक्ट का कार्य अपेक्षित गति से पूरा नहीं हो पाया है। प्रयुक्त जल प्रबंधन की कमजोर कड़ी अब सीधे रैंकिंग पर असर डालेगी। घाटों, मंदिर क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर आमजन का अनुभव ही उज्जैन की स्थिति तय करेगा। राज्य स्तर पर उज्जैन की स्वच्छता साख अब शिप्रा की जल गुणवत्ता से जुड़ गई है।

## बांग्लादेश संकट पर चुप न बैठे भारत

बांग्लादेश से आ रही खबरें दिल दहला देने वाली हैं। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सत्ता की बागडोर संभालने वाले मुहम्मद यूनुस बुरी तरह नाकाम हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। मंदिरों पर पथराव, घरों में आगजनी, महिलाओं पर अत्याचार - ये घटनाएं अब रोजमर्रा की हकीकत बन चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि भारत को क्या करना चाहिए।

**ऐतिहासिक जड़ें :** यह संकट नया नहीं है। 1947 के बंटवारे के समय बंगाल के पूर्वी हिस्से में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित थे, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद उत्पीड़न शुरू हो गया। 1971 के युद्ध में भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को हराकर बांग्लादेश को आजादी दिलाई। इंदिरा गांधी की दूरदर्शिता ने करोड़ों हिंदुओं को बचाया। लेकिन, आजादी के बाद की सरकारों ने हिंदुओं को अधिकारों से वंचित रखा। वक्फ कानून के तहत उनकी जमीनें हड़पी गईं।

**अल्पसंख्यकों का दर्द:** आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश में हिंदू आबादी कभी 22% थी, जो आज घटकर महज 8% रह गई है। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद भी इस समुदाय पर अत्याचार जारी रहा। शेख हसीना ने कुछ सुरक्षा दी, लेकिन उनके खिलाफ भड़के आक्रोश ने अल्पसंख्यकों को और असुरक्षित कर दिया है। आज वहां कट्टरपंथी ताकतें हावी हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद के अनुसार, अगस्त 2024 से नवंबर 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,010 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं।

**कट्टरता हावी :** ISIS से प्रेरित कट्टरपंथी समूह जैसे हिज्ब-उत-तहरीर और जमात-ए-इस्लामी खुले तौर पर सक्रिय हैं। यूनुस सरकार ने कुछ बयान जारी किए, लेकिन कार्रवाई नगण्य है। नोबेल विजेता यूनुस खुद विवादों में हैं। उनके ग्रामीण बैंक पर हिंदू संपत्ति हड़पने के आरोप लगे हैं। ऐसे में हिंदू समुदाय पलायन कर रहा है। पिछले हफ्ते हिंदू युवक दीपू चंद्रा दास की निर्मम हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती है।

**भारत की आवाज :** बांग्लादेश के हालात को लेकर पूरी दुनिया चिंता जता रही है। भारत में भी चिंताएं हैं और वजह वाजिब है। हमारी सीमाएं लगती हैं। उधर की अस्थिरता इधर असर डालती है। ढाका में जिस तरह से भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए, भारत के खिलाफ जिस तरह की बयानबाजी की जा रही है - उससे जाहिर होता है कि बांग्लादेश में हालात हाथ से निकल चुके हैं। यूनुस सरकार का कट्टरपंथियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

# मुद्दा नक़ाब या घूंघट 'पहनने' का नहीं, बल्कि उसे 'हटाने' का है

राजीव खंडेलवाल
कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, नगर सुधार न्यास

आखिर देश के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन को हो क्या गया है? जब कोई असहज, दुर्भाग्यपूर्ण या आपत्तिजनक घटना सामने आती है, तो उसका सीधा सामना करने, उत्तर देने या माफी मांगने के बजाय एक नया तरीका इजाद कर लिया जाता है– 'मुद्दे को ही मोड़ दो, ताकि जवाबदेही से भी बच जाओ और प्रश्न पूछने वाले को भी कटघरे में खड़ा कर दो।' जिसे अगर कहा जाए कि (मरहूम साहिर लुधियानवी से क्षमा याचना सहित); 'वो खुराफ़ात जिसे वज़ाहत तक लाना न हो मुमक़िन, उसे बेग़ैरती का जामा ओढ़ा कर मोड़ना अच्छा'। तो ग़लत नहीं होगा।

बिहार की राजधानी पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा डॉक्टर छात्रा नुसरत परवीन के साथ जो हुआ, उसे भी इसी रणनीति के तहत मूल प्रश्न से भटका दिया गया है। अब बहस यह कराई जा रही है कि 'क्या 21 वीं सदी के विकासशील से विकसित दिशा की ओर अग्रेषित हो रहे भारत में रूढ़िवादी हिजाब/नकाब पहनना या घूंघट ओढ़ना उचित है?' अथवा यह महिला का 'निजता का अधिकार' है? निस्संदेह, यह स्वयं में एक गहन, संवेदनशील और सामाजिक विमर्श का विषय है, जिस पर विचार-विमर्श, जागरूकता और सुधार के प्रयास होने चाहिए। परंतु यह आज का मुद्दा नहीं है। असल प्रश्न यह नहीं है कि क्या पहनना चाहिए या क्या नहीं, बल्कि यह है कि क्या किसी महिला द्वारा पहने गए नक़ाब या घूंघट को कोई दूसरा व्यक्ति, चाहे वह स्वयं को 'अभिभावक' बताने वाला मुख्यमंत्री ही क्यों न हो, सार्वजनिक रूप से हटाने का अधिकार रखता है? यहीं से सारा मामला शुरू होता है और दूसरों के ऐसे कृत्यों/कथनों पर जिनकी 'आंखों में सरसों फूलने लगती है', यहीं उन सबकी जुबान को ताला लग जाता है। न इस प्रश्न पर गंभीर बहस हो रही है, न कोई स्पष्ट उत्तर सामने आ रहा है। इसके बजाय कुतर्कों का सहारा लेकर, पुरानी घटनाओं की राख कुरेद-कुरेदकर, इस पूरी 'क्रिया' को 'सरकारी प्रक्रिया' मानकर सही ठहराने की कोशिश की जा रही है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक के साथ-साथ लोकतांत्रिक मर्यादाओं के लिए भी खतरे की घंटी है।

यह बात पूरे जोर शोर से, और सुरक्षित रूप से कही जा सकती है कि नीतीश कुमार का उम्रदराज होना, अब तक के सार्वजनिक जीवन, उनकी स्वच्छ छवि, और निश्छल चरित्र को देखते हुए, उक्त घटना को किसी भी तरह की गलत नीयत या दुर्भावना से जोड़ना अनुचित होगा।

यहां मामला 'नीयत' का नहीं, जिसकी अनावश्यक 'दुर्गति' की जा रही है, बल्कि अधिकार और मर्यादा का है, जिसका वर्तमान घटना के परिप्रेक्ष्य में बिल्कुल अभाव है। प्रश्न यह नहीं है कि नीतीश कुमार ने यह सब क्यों किया, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या किसी भी व्यक्ति को, किसी भी परिस्थिति में, किसी महिला को इसकी अनुमति के बिना उसके पहनावे के किसी भी हिस्से को सार्वजनिक रूप से हटाने, यहाँ तक कि छूनेका अधिकार है? बिल्कुल नहीं। भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत यही नहीं, बल्कि 'घूरना' भी धारा 74, 75, 79 के अंतर्गत अपराध है।

नीतीश की उक्त क्रिया के समर्थन में पासपोर्ट बनाते समय महिला को चेहरा दिखाने का उदाहरण देने वाले भूल जाते हैं की महिला स्वयं अपना चेहरा दिखाती है न कि पासपोर्ट अधिकारी उसका नकाब हटता है।

इस संदर्भ में एलजेपी (आर) के राष्ट्रीय प्रवक्ता ए. के. वाजपेयी की प्रतिक्रिया सर्वाधिक संतुलित कही जा सकती है, जिन्होंने इसे 'Slip of Tongue' की तरह 'Slip of Action' मानकर माफ किए जाने की बात कही। यहां पर वाजपेयी की, अंग्रेज़ी का एक नया मुहावरा (Phrase) गढ़ने के लिये तारीफ़ भी की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि वे स्वयं सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दल से हैं। कुछ लोग नीतीश कुमार की 'मानसिक स्थिति' का उदाहरण देकर नजरअंदाज करने की भी सलाह दे रहें हैं। लेकिन इसे नज़र? अंदाज़ करना 'जीती मक्खी निगलने जैसा' होगा। नवंबर 2023 में भी विधानसभा में नीतीश कुमार ने 'महिलाओं की शिक्षा और जनसंख्या नियंत्रण' का जिक्र करते समय यौन क्रिया का विस्तृत वर्णन किया था जिसे अत्यंत असंवेदनशील और अश्लील माना गया, जिसकी महिला आयोग ने कड़ी निंदा की थी। बवंडर मचने पर अंततः नीतीश कुमार को माफी मांगनी पड़ी। परंतु आज नीतीश कुमार ने उक्त अनुचित अनावश्यक व्यवहार पर अभी तक माफी नहीं मांगी। बावजूद इस तथ्य के कि इस व्यवहार से दुखी होकर उक्त छात्रा ने 'नारी बीच सारी है कि सारी बीच नारी' की कश्मकश में नौकरी ज्वाइन करने से ही इनकार कर पश्चिम बंगाल में ही रहने का निर्णय लिया है।

नीतीश कुमार के इस कृत्य, व्यवहार को सही ठहराने के लिए कुछ राजनीतिक दल और नेता उन पुरानी गलतियों को ढाल बनाकर आगे कर रहे हैं, जिनको लेकर वे अभी तक 'छाती पीटते रहे हैं' कभी राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 'घूंघट मुक्त राजस्थान अभियान' के दौरान घूंघट हटाने के वीडियो, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती मोहम्मद का वर्ष 2004 में चुनाव के दौरान पहचान के लिए एक महिला का बुर्का हटाना, तो कभी मुलायम सिंह यादव का बयान कि 'लड़के हैं, गलती हो जाती है।' यद्यपि उपरोक्त उदाहरण (मुलायम सिंह को छोड़कर) की परिस्थितियों बिल्कुल अलग है। बावजूद इसके यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि– 'दो गलतियाँ मिलकर कभी एक सही नहीं बनतीं। 'यदि गहलोत के कृत्य को देखकर यह व्यवहार किया गया है, तो यह स्वीकारोक्ति नीतीश कुमार क्यों नहीं करते ? जैसा कि उनके समर्थक उदाहरण दे रहे हैं। इससे भी अधिक निंदनीय भूमिका केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की रही जो पासपोर्ट के समय नकाब हटाकर चेहरा दिखाने का उदाहरण देते हुए नीतीश कुमार की कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं, वहीं बेहद भद्दी प्रतिक्रिया और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद की रही है। उनके हाव-भाव, सांकेतिक प्रतिक्रियाएँ और भद्दी बेशरम हँसी एक सभ्य समाज की चेतना को शर्म से सिर झुकाने पर मजबूर कर देती हैं। एक जर्मन कहावत के अनुसार 'आदमी का चरित्र यह देख कर पता चलता है कि वह किस पर हंसता है'।आज हालत यह है कि नैतिक पतन पर शर्मिंदा होने के बजाय ताली बजाई जा रही है। यह वही समाज है, जो स्वयं को प्राचीन भारतीय संस्कृति का उत्तराधिकारी बताकर, 'अनार्यः परदाराव्यवहारः' एवं 'अनुल्लंघनीयः सदाचारः' आदि नीति सूत्रों का ध्वजवाहक बताकर अपना सीना ठोक-ठोककर गर्व करता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम पर समाज का बड़ा हिस्सा मौन साधे खड़ा है। उक्ति है कि 'मौन स्वीकृति लक्षणम्'। क्या इसे मौन स्वीकृति माना जाए? ऐसे समय मे ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का खुलकर सामने आना एक नैतिक प्रकाश-स्तंभ की तरह है, जो अंधेरे में रास्ता दिखाता है। प्रश्न यह है– क्या यह जिम्मेदारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों की है? कवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां हैं;

**'समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याघ्र,**
**जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनका भी अपराध'**
**क्या हम सब कर्तव्य-विमुख दर्शक बनकर**
**इतिहास के कटघरे में खड़े होना चाहते हैं?**

अंत में केवल इतना ही कहना है–जिस देश की नैतिक चेतना कुंद हो जाए, वह चाहे जितना भी विकास कर ले, 'विश्व गुरु' नहीं बन सकता। 'गंभीर मुद्दे को राजनीति की जलेबी मत बनाइए। गंभीर बनिए। आत्मावलोकन कीजिए। समाज को सभ्य, संवेदनशील और मर्यादित बनाने के लिए अपनी-अपनी आहुति दीजिए।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर विशेष**

# उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता के साथ समृद्ध समाज की ओर बढ़ते कदम

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल, ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है।

वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। इसे मनाने का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**हेल्थ अपडेट**

# विशेषज्ञ की नज़र में कुछ फल हैं शरीर के विभिन्न अंगों के लिए बेहतरीन

**अगर** शरीर में विटामिन या मिनरल्स की कमी है तो फल को खाना शुरू करें। इन्हें पोषण का खजाना कहा जाता है। इसके अलावा यह फाइबर जैसे कंपाउंड का बेस्ट सोर्स भी हैं। जो पेट ही नहीं, बल्कि आपके पूरे शरीर के लिए बहुत अच्छा होता है। लेकिन कुल 4 फलों को एम्स, स्टैंफोर्ड और हार्वर्ड जैसे बड़े संस्थानों से प्रशिक्षित गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने बहुत हेल्दी बताया है। हर फल के अपने खास गुण हैं, जिस वजह से यह किसी खास अंग के लिए सबसे अच्छे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह दूसरे अंगों को फायदा नहीं देते। डॉक्टर ने कौन से 4 फलों को विभिन्न ऑर्गन के लिए अच्छा बताया है।

**ब्लूबेरी:** भारत में ब्लूबेरी को कम ही खाया जाता है।

यह भी इंटरनेट की मेहरबानी है कि जो लोग इस फल की बात करने लगे हैं। डॉक्टर के मुताबिक ब्लूबेरी को दिमाग को हेल्दी बनाने के लिए खाएं। क्योंकि इसमें एंथोसायनिन होता है, जो मेमोरी को तेज करता है और न्यूरोन की सुरक्षा करता है।

**संतरा:** खट्टा-मीठा संतरा इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकता है। डॉक्टर का कहना है कि इम्युनिटी बढ़ाने के लिए संतरा जरूर खाएं। संतरे के अंदर विटामिन सी की भारी मात्रा होती है और इसमें ताकतवर सिट्रस एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं।

**सेब:** बचपन में खूब सुना होगा कि एक दिन में एक सेब खाने से बीमारियां दूर होती हैं। क्योंकि यह पेट और पाचन के लिए बहुत अच्छा होता है, जहां से अधिकतर बीमारी शुरू होती है। अच्छी गट हेल्थ के लिए सेब खाएं, क्योंकि इनमें पेक्टिन फाइबर होता है। जो गुड बैक्टीरिया को फीड करता है और डायजेशन सुधारने में मदद करता है।

**अनार:** दिल को हेल्दी बनाने के लिए अनार खाएं। क्योंकि इसके अंदर प्रचुर मात्रा में पोलीफेनोल्स होते हैं। यह कंपाउंड इंफ्लामेशन घटाने और ब्लड फ्लो को सुधारने में मदद करते हैं। जिससे दिल का स्वास्थ्य बेहतर बनता है।

**सुविचार**

*'जब तक आप खुद हार नहीं मानते, कोई भी आपको हरा नहीं सकता।' - अज्ञात*

**निशाना**

## धरती की आस..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

ये क्या बना दिया मुझे ये क्या बना दिया,
मैं धरा हरी भरी थी, वृक्षो से सजी सजी थी,
ताल के तटों को मेरे, पक्का करवा दिया,
मेरे निकट थे घोंसले, पशुओं के थे आसरे,
हरे भरे वनों पर क्यों, बुल्डोजर चला दिया,
कहते मुझको धरती मां, करते हो आराधना,
ऊंची इमारतों से मुझको, जिंदा दफना दिया,
स्वार्थ सिद्धी हो गई, वेदना भी सो गई,
मेरी जमीं को प्यास है, जल की मुझको आस है,
चारो ओर आपने आवरण बना दिया,
ये क्या बना दिया, मुझे ये क्या बना दिया।।

**न्यू लॉन्च**

# आईफोन, मैकबुक नहीं... ग्लासेस की लॉन्चिंग से चौंकाएगी दिग्गज कंपनी ऐपल

**नए साल** का आगाज होने वाला है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में साल 2026 कई बदलाव लेकर आ सकता है। टेक दिग्गज ऐपल को लेकर कहा जा रहा है कि नए साल में कंपनी आईफोन या मैकबुक से ज्यादा किसी और प्रोडक्ट पर ध्यान दे रही है। ऐपल सीईओ टिम कुक के लिए कंपनी के टेक डेवलपमेंट की सबसे बड़ी प्राथमिकता ऐपल ग्लासेज (Apple Glass) हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा हो सकता है कि नए साल में कंपनी एक बड़ा लॉन्च आयोजित करे।

**2026 में हो सकता है बड़ा लॉन्च:** 9to5Mac की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा हो सकता है कि ऐपल साल 2026 में बड़े लॉन्च की तैयारी कर रही है और ऐपल ग्लासेज उसका हाइलाइट हो सकते हैं। अन्य रिपोर्टों की मानें तो कंपनी 'अनवील्ड' शब्द पर अधिक जोर दे रही है जो संकेत हो सकता है कि ऐपल ग्लासेज को सिर्फ प्रदर्शित किया जाएगा, लॉन्च को टाला जा सकता है। ऐसा हुआ तो कंपनी वियरेबल सेगमेंट में एक और डिवाइस तो ले आएगी, लेकिन उसे लोगों के बीच पहुंचने में वक्त लग सकता है।

हर दिन पहनने वाले चश्मे: ऐपल ग्लासेस के लॉन्च होने की संभावनाएं इसलिए भी बन रही हैं, क्योंकि गूगल भी अपने ग्लासेज नए साल में ला सकती है और मेटा के मेटा ग्लास पहले से ही मार्केट में मौजूद हैं। यह सेगमेंट ऐसा है, जिसमें चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की मौजूदगी अधिक नहीं है। ऐपल इस सेगमेंट में कदम रखकर अपना दबदबा बना सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, ऐपल का मकसद पूरी तरह से ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) ग्लासेज देना है, जिसे लोग हर दिन पहन सकें। कहा जाता है कि ऐपल ग्लास को पहनने के बाद उससे ही कई सारे काम किए जा सकेंगे, ठीक वैसे ही जैसा रे-बैन मेटा स्मार्ट ग्लासेज (Ray-Ban Meta smart glasses) में मुमकिन है।

रहेंगे ख़ास फीचर्स: ऐपल ग्लासेज को बिना डिस्प्ले के पेश किया जा सकता है। वह आईफोन से कनेक्ट होकर काम करेगा। कहा जाता है कि ऐपल ग्लासेज में सिरी, ऐपल इंटेलिजेंस और बिल्ट इन ओपन ईयर स्पीकर्स का सपोर्ट होगा। हालांकि चश्मों को पूरी तरह से कंट्रोल करने के लिए आईफोन चाहिए होगा। कहा जाता है कि कंपनी एक ऐसा गैजेट पेश करना चाहती है जिसे यूजर अपने रोजाना इस्तेमाल में पहन सके। कंपनी मेटा से मुकाबला करना चाहती है, जिसने अपने स्मार्ट ग्लासेज को एक के बाद एक लॉन्च करके पॉपुलर बनाने की कोशिश की है।

**अजब गजब**

# वैज्ञानिक का रिसर्च... अगर हुई तो कैसी होगी एलियंस के साथ इंसानों की पहली मुलाकात?

**एलियंस** होते हैं या नहीं, इस बहस ने पूरी दुनिया को बांट रखा है. जहां अभी दुनिया में इनके अस्तित्व को लेकर ही बहस चल रही है, इस बीच एक साइंटिस्ट ने अब एलियंस के साथ मुलकात का समय और तरीका भी बता दिया है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एस्ट्रोनॉमर और कूल वर्ल्डस लैब के डायरेक्टर डॉ. डेविड किपिंग ने एक नई हाइपोथेसिस पेश की है, जो पहली मुलाकात का सबसे डरावना और दुखद चित्र पेश करती है। इसे 'Eschatian Hypothesis' नाम दिया गया है। यह पेपर Monthly Notices of the Royal Astronomical Society में पब्लिश होने वाला है और arXiv पर उपलब्ध है।

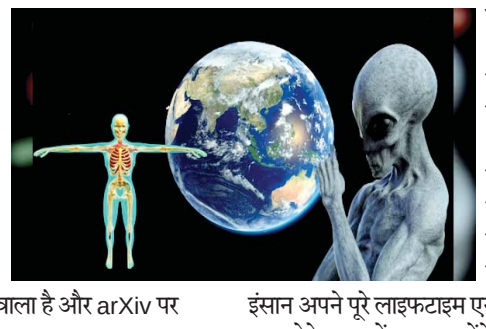

**कैसी होगी पहली मुलाकात?:** डॉ. किपिंग ने एलियंस के साथ पहली मुलाक़ात की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी पहली एक्सट्राटेरेस्ट्रियल टेक्नोलॉजिकल सिविलाइजेशन की खोज फिल्मों जैसी नहीं होगी। इसमें ना तो कोई आक्रमणकारी आर्मी होगी और ना ही कोई बुद्धिमान, शांतिपूर्ण प्रजाति होगी जो हमें ज्ञान देगी। बल्कि यह वह समय होगा जब सभ्यता अपने अंतिम चरण में होगी। यानी मौत के कगार पर। किपिंग ने आगे बताया कि ब्रह्मांड में ज्यादातर डिस्कवरी पहले दुर्लभ और एक्सट्रीम होती हैं, क्योंकि वे सबसे ज्यादा डिटेक्टेबल होती हैं। जैसे नाइट स्काई में दिखने वाले तारों में से एक-तिहाई डाइंग जायंट स्टार्स होते हैं, जो अपने जीवन के सिर्फ 10 प्रतिशत समय में इतने ब्राइट होते हैं कि हम उन्हें देख पाते हैं।

**इंसानों का होगा आखिरी समय:** अपने इस खुलासे में उन्होंने बताया कि जब एलियंस धरती पर आएंगे तब इंसानों की स्थिति खराब होगी। न्यूक्लियर वॉर, क्लाइमेट क्राइसिस जैसी स्थिति होगी। तब इंसान अपने पूरे लाइफटाइम एनर्जी का बड़ा हिस्सा एक छोटे समय में यूज कर लेंगे जिससे टेक्नोसिग्नेचर बहुत स्ट्रॉन्ग हो जाएगा। किपिंग ने आगे कहा कि हमें वाइड-फील्ड, हाई-कैडेंस सर्वे जैसे Vera C. Rubin Observatory पर फोकस करना चाहिए, जो ट्रांजिएंट इवेंट्स कैच कर सके। क्योंकि ये लाउड, शॉर्ट-लिव्ड सिविलाइजेशन जल्दी गायब हो सकती हैं। इस थ्योरी ने लोगों को भी हैरान कर दिया है। अभी तक कई लोग एलियंस से मुलाक़ात को तरस रहे थे। लेकिन उन्होंने ऐसी मुलाकात के बारे में नहीं सोचा था।

## न्यूज विंडो

### लोकायुक्त टीम ने महिला हेड कॉन्सटेबल को रिश्वत लेते पकड़ा

**देवास।** देवास में उज्जैन लोकायुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला थाने तैनात महिला प्रधान आरक्षक को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। निरीक्षक दीपक सेजवार ने बताया, पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन आनंद यादव के मार्गदर्शन में कार्रवाई के दौरान महिला थाना देवास की प्रधान आरक्षक शाहीन खान को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है। मामले में 19 दिसंबर को आवेदक विशाल परमार ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत की थी। शिकायत में उसने बताया कि पत्नी अर्चना द्वारा महिला थाने में मारपीट एवं दहेज के संबंध में हमारी शिकायत की गई है। उक्त शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने के लिए प्रधान आरक्षक शाहीन खान द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इसके बाद उक्त शिकायत का सत्यापन कराया गया। शिकायत की पुष्टि होने पर मंगलवार को ट्रैप दल का गठन कर महिला थाने की प्रधान आरक्षक को आवेदक विशाल परमार से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। रात 8.30 बजे तक सर्किट हाउस पर कार्रवाई जारी थी। उधर एसपी पुनीत गेहलोद ने प्रधान आरक्षक को निलंबित कर दिया है।

### रिहायसी क्षेत्र में मादा बाघ का डेरा हर दिन मवेशी को बना रही निवाला

**शहडोल/उमरिया**. बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर से लगे क्षेत्र में मादा बाघ का मूवमेंट बना हुआ है। गांव के आस पास बाघ की मौजूदगी व पशुओं के लगातार शिकार किए जाने से ग्रामीण दहशत में है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत चिल्हारी के गड़रिहा हार में मादा बाघ तीन दिन से डंटी हुई हैं। यहां उसने एक गाय और एक बकरी का शिकार किया है। इसकी जानकारी ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी लेकिन वन अमला मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद ग्रामीणों ने अमरपुर पुलिस को घटना से अवगत कराया। मौके पर पहुंचे अमरपुर चौकी प्रभारी ने गांव में मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने की समझाइश दी है। वहीं सोमवार को मौके पर पहुंचे एसडीओ वन ने मादा बाघ के रेस्क्यू को लेकर कोई पहल नहीं की इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने मिली। हालांकि मंगलवार को मौके पर पहुंचे उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पीके वर्मा ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि योजना बनाकर मादा बाघ का रेस्क्यू कर उसे शिफ्ट किया जाएगा। उन्होने बताया कि फिलहाल क्षेत्र में वन अमले के साथ हाथियों से निगरानी कराई जा रही है।

### मतदाता सूची शुद्धिकरण के बाद 21 फरवरी को होगा अंतिम प्रकाशन

**टीकमगढ़।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। कलेक्टर ने बताया कि जिले में 22 साल बाद मतदाता सूची का व्यापक शुद्धिकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर से शुरू हुए एसआईआर सर्वे के तहत जिले के कुल 714256 मतदाताओं में से 676943 मतदाताओं का बीएलओ द्वारा सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान 7003 मतदाताओं की कोई जानकारी नहीं मिल पाई, जबकि 9957 मतदाताओं की मृत्यु की पुष्टि हुई है। कलेक्टर ने जानकारी दी कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जा चुका है। इस पर 22 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। सभी दावों एवं आपत्तियों की सुनवाई, सत्यापन और निर्णय 14 फ रवरी को एक साथ किया जाएगा।

### छात्राएं चीख रहीं, गांव अंधविश्वास में उलझा, पढ़ाई ठप, पड़ताल जारी

**सिवनी।** जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखंड लखनादौन के मढ़ी गांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीते दो माह से अंजान खौफ के कारण यहां पढ़ रहीं 146 छात्राएं स्कूल नहीं जा रही हैं। स्कूल में छात्राएं अचानक बीमार होकर चीखने लगती हैं। शनिवार को तो गांववालों ने यहां झाड़फूंक करने वाले को भी बुला लिया। इस घटना के बाद सोमवार और मंगलवार को शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम जांच के लिए पहुंची। लेकिन छात्राएं नहीं आई।टीम ने स्थानीय लोगों से भी चर्चा की। कुछ लोगों ने इसे बुरा साया बताया तो जागरूक नागरिकों का कहना है कि यह एक तरह का अंधविश्वास है। छात्राओं के मन मन में जो भ्रम है, उसे निकालना जरूरी है। इसलिए अधिकारियों को छात्राओं की कांउंसलिंग करनी चाहिए।

# कृषि मंडी में किसानों से विवाद के बाद व्यापारियों ने दिया धरना

**व्यापारियों का वकील से भी हुआ विवाद, केस दर्ज**

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

नवीन कृषि उपज मंडी में मंगलवार को धान खरीदी को लेकर कृषक व व्यापारी आपस में भिड़ गए हंगामा इतना बड़ा की दोनों पक्षों में जमकर हाथापाई हो गई। विवाद के बाद मांगों को लेकर कृषकों ने कृषि मंडी के बाहर जमकर नारबाजी की तो वहीं व्यापारियों ने एकत्रित होकर जय स्तंभ चौक पर धरना प्रदर्शन किया और चक्का जाम कर दिया। जब जय स्तंभ पर प्रदर्शन के दौरान एक अधिवक्ता भगवान सिंह राजपूत कोर्ट जा रहे लेकिन प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों ने वकील को रोक दिया जिसके बाद वकील व व्यापारियों में विवाद हो गया विवाद इतना बड़ा की व्यापारियों ने अभिभाषक संघ के कक्ष में घुसकर हंगामा कर दिया मारपीट भी की जिसके बाद वकीलों ने एकत्रित होकर शहर थाना पहुंचकर व्यापारियों पर प्रकरण पंजीबद्ध करने के लिए खूब नारेबाजी की वकीलों की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने सात व्यापारियों पर आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया।

## 73 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण का कार्य जारी

# 201 करोड़ रुपए से 10 मीटर चौड़ी बनेगी सड़क, यूपी की दूरी होगी कम

**अशोकनगर। दोपहर मेट्रो**

अशोकनगर में 201 करोड़ रुपए की लागत से ईसागढ़ व चंदेरी की राह आसान होगी, साथ ही उप्र को जोड़ने बाले रास्ते तक मजबूत व चौड़ी सड़क की सुविधा मिलेगी। इससे जिले के दो विकासखंडों के बीच यातायात सुगम हो जाएगा। इससे लोगों को ऊबड़-खाबड़ व ऊंचे नीचे रास्ते की समस्या से निजात मिलेगी। मामला पारसौल राजघाट रोड का है। पारसौल से ईसागढ़, जंधार, डाकोनी व चंदेरी होते हुए राजघाट तक 201 करोड़ रुपए की लागत से 73 किमी लंबी सड़क का निर्माण हो रहा है। राजघाट से यह सड़क उप्र के रास्ते से जुड़ जाएगी। जर्जर हो चुकी यह सड़क पहले साढ़े पांच मीटर चौड़ी थी, लेकिन इसका चौड़ीकरण कर 10 मीटर चौड़ाई में निर्माण होना है। इसके लिए निर्माण शुरू हो गया है, कई जगहों पर खुदाई का काम चल रहा है और जुलाई 2027 में निर्माण पूर्ण होना है।

### कई जगहों पर घाटियों को काटकर समतल होगा मार्ग, फिर निर्माण

मध्य प्रदेश राज्य सड़क विकास प्राधिकरण इस सड़क का निर्माण कर रहा है। विभाग के अधिकारियों के मुताविक अभी सड़क घाटियों की वजह से कई जगहों पर ऊंची तो कहीं वलान है, लेकिन इसके निर्माण के लिए घाटियों की खुदाई करके समतल रास्ता किया जाएगा और इसके बाद सड़क निर्माण होगा। ताकि आवाजाही में ढलान व घाटी की समस्या वाहन चालकों को न रहे। आबादी बस्तियों में सीसी सड़क बनेगी और शेष हिस्से में डामरीकरण की सड़क होगी। अशोकनगर-थूबोन रोड जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो गई थी और सड़क पर निकलते समय वाहनों की दुर्घटनाएं बढ़ गई थीं। इस पर मीडिया ने कई बार खबर प्रकाशित कर मुद्दा उठाया। मामले पर गंभीरता दिखाते हुए मप्र राज्य सड़क विकास प्राधिकरण ने 7.16 करोड़ रुपए लागत से अशोकनगर से थूबोन तक 30 किमी हिस्से में हामरीकरण कर नवीनीकरण कर दिया है। इससे साड़क पर गड्ढों की समस्या खत्म हो गई। वहीं पत्रकारों द्वारा बताई गई गहरी साइडों की समस्या पर भी विभाग ने ध्यान दिया और अब साइडों को भरने का काम चल रहा है।

### 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया बीएसी

**छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो**

आम लोगों की आवाज मानी जाने वाली सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्था जब सौदेबाजी का जरिया बन जाए तो सवाल उठना लाजिमी है। मंगलवार को छिंदवाड़ा ज़िले में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब लोकायुक्त टीम ने अमरवाड़ा में तैनात ब्लॉक एकेडमिक कोऑर्डिनेटर को 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। यह मामला एक प्राइवेट स्कूल से जुड़ा है। सिंगोड़ी गांव के यूनिक पब्लिक स्कूल के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत को सुलझाने की जिम्मेदारी बीएसी ऑफिस की थी। हालांकि, आरोप है कि शिकायत बंद करने के बदले में बीएसी सत्येंद्र जैन ने खुलेआम पैसे मांगने शुरू कर दिए। उसने साफ कहा कि अगर पैसे दिए जाएंगे, तो शिकायत बंद कर दी जाएगी; नहीं तो फाइल पेंडिंग रहेगी। स्कूल कमेटी से जुड़ी शिकायतकर्ता कविता पिपरदे ने दबाव में आने के बजाय जबलपुर में लोकायुक्त से संपर्क किया। शिकायत की गोपनीय जांच की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद एक जाल बिछाया गया। आरोपी ने शिकायतकर्ता को छिंदवाड़ा के सर्कुलर रोड पर इंडियन कॉफी हाउस बुलाया। जैसे ही 10,000 रुपए का लेन-देन हुआ, पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई की और बीएसी को गिरफ्तार कर लिया। कॉफी हाउस में अफरा-तफरी मच गई और यह पूरा मामला जल्दी ही सबके सामने आ गया।लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम के उन अधिकारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं जो जनता की शिकायतों को पैसे कमाने का जरिया बनाते हैं।

**एसपी ने थानों को दिए निर्देश**

## अब नगर में चक्काजाम और व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

जिले में चक्काजाम की बढ़ती घटनाओं से आम लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने समस्त थाना प्रभारियों और अनुविभागीय अधिकारियों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अब चक्काजाम करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार, पिछले पांच वर्षों में चक्काजाम में शामिल नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें बाउंडओवर कराया जाएगा। हर चक्काजाम घटना की पूरी वीडियोग्राफी होगी, जिसमें शामिल लोगों की पहचान कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक घटनास्थल पर पर्याप्त पुलिस बल और बलवा सामग्री के साथ तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, ऐसी घटनाओं का फायदा उठाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई के निर्देश थाना प्रभारियों को दिए गए हैं। एसपी का कहना है कि जिले में शांति बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है।

# बालिकाओं को मिले पुनः उपयोगी सैनिटरी पैड्स

**नर्मदापुरम । दोपहर मेट्रो**

जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐतिहासिक कदम, समर्पण संस्थान व नर्मदापुरम पुलिस के सहयोग से पहली बार पुनः उपयोग योग्य कपड़े आधारित सैनिटरी पैड्स वितरित किए गए। मंगलवार को केसला विकासखंड के उत्कृष्ट विद्यालय केसला व संदीपनी विद्यालय सुखतवा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम हुआ।कार्यक्रम में छात्राओं को मासिक धर्म के वैज्ञानिक तथ्य, स्वच्छता व आत्म-देखभाल की जानकारी दी गई। समाज की चुप्पी, झिझक व भ्रांतियों पर खुली चर्चा हुई, ताकि बालिकाएं इसे प्राकृतिक प्रक्रिया समझें। अतिरिक्त आयुक्त आयकर डॉ. मेघा भार्गव ने बताया कि पारंपरिक प्लास्टिक पैड्स को नष्ट होने में 500 वर्ष लगते हैं, जो लैंडफिल में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। पुनः उपयोगी पैड्स प्लास्टिक कचरा रोकते हैं, रसायन-रहित होने से त्वचा संक्रमण व जलन की आशंका कम करते हैं। साफ-सफाई से ये लंबे समय चलते हैं, महंगे पैड्स खरीदने की जरूरत नहीं।समर्पण संस्थान की संस्थापक डॉ. रुमा भार्गव ने कहा कि मासिक स्वच्छता केवल स्वास्थ्य मुद्दा नहीं, बल्कि शिक्षा, गरिमा व समानता से जुड़ा है। सुरक्षित समाधान से स्कूल उपस्थिति व आत्मविश्वास बढ़ेगा।÷ संस्थान ने राजस्थान-मध्यप्रदेश में 20,000 से अधिक बालिकाओं को अब तक पहुंचाया है। ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य-शिक्षा पर कार्य से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला।कार्यक्रम में एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा, बीईओ आशा मौर्य, थाना प्रभारी उमाशंकर यादव, रचना शुक्ला व वरिष्ठ व्याख्याता जेएल चौरे मौजूद रहे।

**मेट्रो एंकर**

**26 दिसंबर से पचमढ़ी में भव्य महोत्सव को लेकर बैठक में दी जानकारी**

## कार्निवाल के साथ होगा शुभारंभ; गरबा, आदिवासी नृत्य की देंगे प्रस्तुति

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में 26 से 29 दिसंबर तक भव्य पचमढ़ी महोत्सव का आयोजन होगा। यह उत्सव मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, जिला प्रशासन, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद और साडा के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। रंगारंग कार्यक्रमों से सजा यह महोत्सव पर्यटकों को बॉलीवुड गीतों, टीवी रियलिटी शोज के सितारों, हास्य कलाकारों, मैजिशियन, डांस ग्रुप्स और आर्मी बैंड की मनमोहक प्रस्तुतियों से सराबोर करेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 26 दिसंबर को भव्य कार्निवाल से होगा, जो सीएम राइज स्कूल ग्राउंड से शुरू होकर शहर भ्रमण के बाद पचमढ़ी महोत्सव ग्राउंड पर समाप्त होगा। कार्निवाल में शिव बारात, क्रिसमस जश्न, आदिवासी नृत्य और अन्य आकर्षक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। पचमढ़ी के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी विशेष प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

**महोत्सव में यह होंगे कार्यक्रम**

- **26 दिसंबर** को उद्घाटन समारोह और गणेश वंदना,ऑर्केस्ट्रा टीम द्वारा बॉलीवुड नृत्य प्रदर्शन वैशाली रैकवार, अखिलेश तिवारी, जतिन श्रॉफ और शिवम के नए-पुराने गीत।
- **27 दिसंबर** को आर्मी बैंड की शानदार प्रस्तुति,ऑर्केस्ट्रा द्वारा बॉलीवुड नृत्य, स्टैंडअप कॉमेडी और मैजिशियन शोइंडियन आइडल फेम गायिका पूजा ठाकरे के नए गीत।
- **28 दिसंबर** को प्रसिद्ध गायक अतुल पंडित और सह-गायकों की प्रस्तुतिनृत्य मंडली का प्रदर्शन,ऑर्केस्ट्रा, हास्य कलाकार और मिमिक्री कलाकारों की मनोरंजक प्रस्तुतियां।
- **29 दिसंबर** को सारेगामा फाइनलिस्ट इशिता विश्वकर्मा के सदाबहार गीतविनती सिंह और दिव्यांश वर्मा की प्रस्तुतिनृत्य मंडली प्रदर्शनशास्त्रीय नृत्यांगना हृतंभरा का समकालीन शास्त्रीय नृत्य80-90 के दशक की धुनें अनिल नगरुरकर के साथद वॉइस फेम गायक दिव्यांश वर्मा का शो।

# टाइगर रिजर्व में बाघों की दहाड़ तेज, लेकिन सैलानियों की संख्या हुई कम

**विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा**

एमपी के सबसे बड़े 2300 किमी से अधिक संरक्षित वन क्षेत्र और नए घोषित रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व से एक विरोधाभासी तस्वीर सामने आ रही है। एक तरफ जहां वन्यजीवों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है और नौरादेही हिस्सा बाघों की सफल ब्रीडिंग का केंद्र बन गया है। वहीं दूसरी तरफ यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निराशाजनक है। बीते वर्षों की तरह इस साल भी रिजर्व में सैलानियों की संख्या चंद हजार तक पहुंच पाई है। जानकारों का कहना है कि दो साल पहले टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बावजूद दमोह व सागर और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन की रफ्तार वह गति नहीं पकड़ पाई है जिसकी उम्मीद की गई थी। बता दें कि रिजर्व में टाईगर फेमिली के सदस्यों की संख्या करीब दो दर्जन पर पहुंच

गई है। इस सुंदर जीव के अलावा यहां बड़ी संख्या में हिरण परिवार के चौसिंघा, काले हिरण, चीतल, भालू, सोन कुत्ता, भेड़िया और जलीय जीव मगर बड़ी तादाद में हैं।

वीरांगना रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व भौगोलिक दृष्टि से बेहद समृद्ध है। यहां कान्हा और बांधवगढ़ से लाए गए बाघों ने न केवल अपना इलाका बनाया, बल्कि उनकी अगली पीढ़ी भी अब इस जंगल पर राज कर रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बाघों की साइटिंग (दिखने की दर) में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके बावजूद, मुख्य प्रवेश द्वारों पर पर्यटकों की भारी भीड़ के बजाय सन्नाटा पसरा रहता है आलम यह है कि कान्हा या पेंच जैसे रिजर्व में जहाँ महीनों पहले बुकिंग फुल हो जाती है, वहीं नौरादेही के दमोह और सागर गेट पर जिप्सियां पर्यटकों का इंतजार करती नजर आती हैं।

पर्यटकों की इस कम संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार की कमी माना जा रहा है। बाहरी राज्यों या शहरों से आने वाले पर्यटकों को आज भी यह स्पष्ट नहीं है कि नौरादेही तक कैसे पहुँचा जाए और यहां रुकने की क्या व्यवस्थाएं हैं। पर्यटन विभाग और वन विभाग के स्तर पर इस टाइगर रिजर्व की वैसी मार्केटिंग नहीं की गई, जैसी हाल के वर्षों में कूनो नेशनल पार्क की हुई। सागर की ओर से मुहली समेत अन्य गेट्स पर पर्यटकों के लिए उच्च स्तरीय रिसॉर्ट्स और कैफे का अभाव है, जिससे नाइट स्टे करने वाले पर्यटक यहाँ आने से कतराते हैं।

### नहीं दिला पाए टूरिज्म हब की पहचान

दमोह सागर और नरसिंहपुर जिले में आता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर पर्यटन को लेकर कोई बड़ा इवेंट या प्रमोशन कैंपेन आयोजित नहीं किया गया। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक स्थानीय लोगों को इससे जोड़कर एक टूरिज्म हब के रूप में विकसित नहीं किया जाएगा तब तक केवल गेट खोल देने से पर्यटक नहीं आएंगे। अगर रानगिर जैसे धार्मिक स्थलों को टाइगर रिजर्व के पर्यटन से जोड़ा जाए, तो श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों का एक बड़ा वर्ग यहाँ आकर्षित हो सकता है। टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद सड़कों और कनेक्टिविटी पर काम तो शुरू हुआ है, लेकिन वह अभी भी शुरुआती चरणों में है। बारिश के मौसम के बाद कई रास्ते आज भी दुर्गम हैं। गाइडों और जिप्सी संचालकों का कहना है कि जब तक पर्यटकों को बाघों की सुरक्षा के साथ-साथ लग्जरी और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलेंगी, वे कान्हा या बांधवगढ़ जैसे स्थापित पार्कों की ओर ही रुख करेंगे। पर्यटकों की कम आवक का सीधा असर स्थानीय रोजगार पर पड़ रहा है। कई युवाओं ने गाइड की ट्रेनिंग ली और कुछ ने कर्ज लेकर जिप्सियां खरीदीं, लेकिन बुकिंग न होने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। यदि आने वाले सीजन में पर्यटकों की संख्या नहीं बढ़ी, तो स्थानीय स्तर पर टाइगर रिजर्व को लेकर उत्साह कम हो सकता है

## न्यूज विंडो

### किसान दिवस पर एलएसआर सीड्स कंपनी ने किसानों का किया सम्मान

**तेंदूखेड़ा।** किसान दिवस के अवसर पर एलएसआर सीड्स श्रीकर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के लोगों ने किसानों को सम्मानित किया। जहां किसानों को साल एवं श्रीफल देकर मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए वादा किया कि आपके साथ हमेशा की तरह कंधे से कंधा मिलाकर उन्नत बीज, उन्नत दवाई अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध कराकर उनके आने वाली कृषि संबंधित समस्याओं का समाधान कंपनी के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के द्वारा क्षेत्र में जाकर किसानों की समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य के लिए कामनाएं की यह कार्यक्रम एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी जो कि किसानों को अच्छी पैदावार और मुनाफा देनी वाले विभिन्न फसलों के लिए बीज प्रदान करती है और कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

### अनूपपुर रेलवे स्टेशन पर पार्किंग की अव्यवस्था से यात्री परेशान

**अनूपपुर।** रेलवे स्टेशन पर इन दिनों पार्किंग की गंभीर अव्यवस्था यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है, लेकिन उनके वाहनों के लिए समुचित और व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से रोजाना अव्यवस्था की स्थिति बनती जा रही है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को वाहन खड़ा करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन परिसर के आसपास निर्धारित पार्किंग स्थल छोटा और अव्यवस्थित है। कई बार वाहनों को सड़क किनारे या अवैध स्थानों पर खड़ा करना पड़ता है, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। खासतौर पर ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय अफरा-तफरी का माहौल रहता है। बुजुर्ग यात्रियों, महिलाओं और बच्चों को इस अव्यवस्था के कारण सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्किंग ठेकेदारों द्वारा मनमानी की जा रही है। कहीं-कहीं तय शुल्क से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं, जबकि बदले में न तो सुरक्षा की गारंटी है और न ही व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। कई यात्रियों ने वाहन चोरी और नुकसान की घटनाओं की भी शिकायत की है, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

### दोनी के प्राचीन हनुमान मंदिर से मुकुट, छत्र व नकदी रुपए चुराकर ले गए चोर

**तेंदूखेड़ा।** प्राचीन हनुमान मठ ग्राम दोनी के हनुमान मंदिर में सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों के द्वारा मुकुट, छत्र एवं दान पेटी के रखे रूपए चोरी करके ले गए। राज पिता हरवंश यादव ने पुलिस थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया हैं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। राज यादव ने बताया कि दौनी सरकार हनुमान मंदिर में पूजा पाठ करता हूँ। प्रतिदिन की तरह सोमवार रात्रि करीब 09.30 बजे आरती व भजन संध्या कर मंदिर के पट बंद करके अपने घर चला गया था मंदिर परिसर में अरुण तिवारी (संत) रुके थे जो करीब 5 बजे आकर मंदिर के पट खोले तो देखा कि हनुमान जी के उपर लगा चांदी का छत्र नहीं दिखा फिर आसपास और भी चांदी का सामान देखा तो एक चांदी का मुकुट भी नहीं दिखा। जानकारी अरुण तिवारी (संत) एवं अपने पिता हरवंश यादव एवं गांव के सुरेन्द्र यादव व सुखचेन ठाकुर को दी। जो सभी के आने पर दान पेटी की तलाश की जो मंदिर से करीब 100 मीटर की दूरी पर खुली अवस्था में मिली। दान पेटी के पैसों से मंदिर के किराना के सामान का भुगतान करता रहता था। दान पेटी में दान राशि करीब 5000 रुपए बचे होगे जो कोई अज्ञात व्यक्ति रात्रि में एक चांदी का छत्र वजनी करीब 600 ग्राम कीमती करीब 60 हजार रुपये, एक चांदी का मुकुट वजनी करीब 250 ग्राम कीमती करीब 25 हजार रुपये कुल कीमती करीब 85000 रुपये एवं दान पेटी में रखे कुछ नगदी करीब 5000 रुपये कुल 90, 000 रुपये की चोरी कर ले गया है।

### न्यू जोन एवं टोरंटो कंपनी पर मजदूरों के शोषण का लगा गंभीर आरोप

# कम मजदूरी देकर काम करा रहे पूरा शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

**अनूपपुर। दोपहर मेट्रो**

अनूपपुर में रकसा कोलमी ग्राम पंचायत में सरकारी नियमों और श्रम कानूनों की खुलेआम अनदेखी करते हुए न्यू जॉन एवं टोरंटो कंपनी द्वारा गरीब मजदूरों का शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इन कंपनियों द्वारा सरकारी तौर पर निर्धारित न्यूनतम मजदूरी दर 467 रुपए प्रतिदिन के स्थान पर केवल 250 रुपए मजदूरों को दिए जा रहे हैं। इससे मजदूरों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, संबंधित क्षेत्र में सरकारी परियोजनाओं और निजी निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में दिहाड़ी मजदूर काम कर रहे हैं। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अकुशल मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी 467 रुपए प्रतिदिन निर्धारित है, ताकि बढ़ती महंगाई में मजदूर अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। लेकिन न्यू जॉन एवं टोरंटो कंपनी इस नियम का पालन नहीं कर रही हैं और मजदूरों को लगभग आधी मजदूरी देकर उनसे पूरा दिन काम लिया जा रहा है। मजदूरों का कहना है कि कम मजदूरी मिलने के कारण उनके लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कई मजदूरों ने बताया कि उन्हें समय पर भुगतान भी नहीं किया जाता और यदि कोई मजदूर सवाल उठाता है तो उसे काम से निकालने की धमकी दी जाती है। भय और बेरोजगारी के डर के कारण मजदूर चुपचाप शोषण सहने को मजबूर हैं।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रमिक संगठनों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा है

कि यह न केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि मानवाधिकारों पर भी सीधा हमला है। उनका कहना है कि सरकार मजदूरों के हित में न्यूनतम मजदूरी तय करती है, लेकिन जब ठेकेदार और कंपनियां ही नियमों को तोड़ेंगी तो गरीब मजदूरों को न्याय कैसे मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, इन कंपनियों द्वारा मजदूरी में कटौती के साथ-साथ सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की जा रही है। मजदूर बिना सुरक्षा उपकरणों के खतरनाक काम करने को मजबूर हैं। दुर्घटना होने पर कंपनी जिम्मेदारी लेने से बचती है और मजदूरों को ही दोषी ठहरा दिया जाता है। कंपनी द्वारा साइड इंश्योरेंस पीएफ एवं मेडिकल की सुविधा भी नहीं दी गई है

इसपूरे मामले में श्रम विभाग अधिकारी द्विवेदी जी द्वारा जानकारी दी गई की मजदूरी की न्यूनतम मूल्य 467 रुपए है क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यदि समय रहते प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो मजदूरों का शोषण और बढ़ सकता है।

श्रमिक संगठनों ने मांग की है कि न्यू जॉन एवं टोरंटो कंपनी की तत्काल जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मजदूरों को बकाया मजदूरी सरकारी दर के अनुसार दिलाई जाए। गरीब मजदूरों का कहना है कि उन्हें केवल उनका हक चाहिए, ताकि वे सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

### जंगल कटाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

**धार। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश में जंगलों की बढ़ती कटाई के विरोध में कांग्रेस ने सोमवार को धार में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि, एक ओर पीएम मोदी मां के नाम एक पेड़ अभियान चला रहे हैं, वहीं प्रदेश में हजारों की संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि, भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। ये सरकार कार्पोरेट परस्त है और आदिवासी विरोधी नीतियों की पोषक है। कांग्रेस द्वारा सिंगरोली में कोयला खदान के लिए उद्योगपति अडानी की कंपनी को जंगल भूमि देने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। आरोप है कि हजारों की संख्या में जंगलों में पेड़ काटे जा रहे हैं। नेता व कार्यकर्ताओं ने हाथों में आरी लेकर सांकेतिक रूप से जंगल कटाई का रूपांतरण किया। प्रदर्शन के दौरान जंगल बचाओ-आदिवासी बचाओ और सिंगरोली बचाओ-जंगल बचाओ जैसी तख्तियां कांग्रेसियों ने थामी थी। नारेबाजी के बाद अड़ानी का पुतला भी फूंका गया। इस मौके पर मीडिया से चर्चा में सिंघार ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने को लेकर कहा कि भाजपा इस योजना को बंद करना चाहती है। इसमें केन्द्र ने राज्य का अंश बढ़ा दिया है। राज्यों के पास पहले ही पैसा नहीं है। यह स्थितियां बताती हैं कि यह योजना बंद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इन्होंने नाम बदलने के अलावा क्या किया है। इसके पूर्व भी कई योजनाओं के नाम बदल चुके हैं।

### सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले को वन विभाग ने जारी किया नोटिस

#### अतिक्रमण कर्ता सुरेंद्र कीर को देना होगा सात दिन में जवाब नहीं तो होगी करवाई

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

मोजमपुरा में सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला लगातार सुर्खियों में नजर आ रहे है जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्र कीर द्वारा मंडीदीप शहर के आसपास बड़े पैमाने पर जमीनों पर अतिक्रमण की सूचना वन विभाग मे मिलने के कारण वन विभाग के अधिकारियो ने ड्रोन से मेपिंग करवाते हुवे 2 हजार 80 वर्गफ़ीट का कब्ज़ा पाया गया जिसके तहत दिनांक 22 दिसम्बर को नोटिस के माध्यम से सुरेन्द्र कीर के नाम से नोटिस जारी कर दिया और साथ ही स्थानीय प्रशासन को कार्रवाही हेतु लेटर जारी करते हुवे सुरेन्द्र कीर को सात दिवस के अंदर दस्तावेज पेश करने का उल्लेख करते हुवे आगे एफआईआर दर्जी की चेतावनी जारी की गई है। जानकारी के अनुसार मामला हाईकोर्ट की तरफ जाने के बाद प्रशासन ने भी अब कमर कसते हुए जल्द बड़ी कार्रवाई करने का मन बना लिया है जिससे वन विभाग की जमीन पर बड़े पैमाने पर कब्ज़ा करने वाले सुरेंद्र कीर के ऊपर अब प्रशासन बड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। वन विभाग अधिकारी हेमन्त रेकवार ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद अधिकारियों को मेरे द्वारा तत्काल मेपिंग का आदेशा दिया गया है। जिसमें अतिक्रमण होना पाया गया है तत्काल अतिक्रमण कर्ता सुरेन्द्र कीर को नोटिस के माध्यम से सात दिवस की मौहलत दी गई है यदि वो सतुष्ट जवाब नहीं देते है तो एक तरफा कार्रवाई की जाएगी।

### मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग

### तेंदूखेड़ा आउटसोर्स कर्मचारी तीन-चार माह से वेतन न मिलने से हो रहे परेशान

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के आउटसोर्स कर्मचारी आए दिन अपने वेतन को लेकर परेशान रहते हैं उन्हें कभी भी समय पर वेतन नहीं दिया जाता अभी भी किसी के तीन माह का तो किसी के चार माह का किसी के 6 माह का वेतन नहीं दिया गया जिससे आउटसोर्स कर्मचारी को अपना जीवन यापन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है आउटसोर्स कर्मचारीयो में डाटा एंट्री ऑपरेटर सफाई कर्मी, सपोर्ट स्टाफ। भृत्य आदि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में पदस्थ है और अपना-अपना कार्य बड़ी ईमानदारी से कर रहे हैं ऐसे में इनका वेतन समय पर ना मिलना एक बड़ा सवाल है इसमें शासन प्रशासन का दायित्व है कि

प्रत्येक आउटसोर्स कर्मचारी का समय पर भुगतान किया जाए ताकि वह अपना जीवन यापन सही तरीके से कर सके। आउटसोर्स कर्मचारीयो का कहना है कि सेट मैप कंपनी और कटनी कंप्यूटर के द्वारा कर्मचारियों का पेमेंट किया जाता है लेकिन जब से सेट में कंपनी को ठेका मिला है तब से हम लोगों को कभी भी समय पर वेतन नहीं दिया जाता। इस संबंध में जब प्रभारी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय विश्वकर्मा से बात की तो उन्होंने बताया की मेरे द्वारा प्रति माह आउटसोर्स कर्मचारी की उपस्थिति अटेंडेंस भेज दी जाती है आउटसोर्स कर्मचारीयो ने वेतन ना मिलने के संबंध में जो मुझे आवेदन दिया है उसे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को फॉरवर्ड करूंगा और पता लगाएंगे कि इनका वेतन क्यों नहीं आ रहा है।

**मेट्रो एंकर** भाजपा कार्यकर्ताओं सहित प्रशासन ने किया राज्यपाल का स्वागत, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

# नर्मदा तट पर किया मां रेवा का पूजन, जाना महेश्वर का इतिहास

**महेश्वर। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मंगू भाई पटेल पवित्र पर्यटन और धार्मिक नगरी महेश्वर पहुंचे। उनके आगमन पर अहिल्या नगरी में भारी उत्साह देखा गया। पानवा हेलीपैड से लेकर विश्राम स्थल तक सुरक्षा व्यवस्था हेतु चप्पे चप्पे पर पुलिस प्रसाशन लगा हाउस था जैसे ही महेश्वर पहुँचे तो उनका भव्य स्वागत प्रशासनिक अधिकारियों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महामहिम की अगवानी की और पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल पटेल शाम 5:00 बजे ऐतिहासिक अहिल्या घाट पहुंचें। यहां उन्होंने पुरोहितों ने पूर्ण विधि-विधान के साथ माँ नर्मदा का पूजन और आरती सम्पन्न करवाई मां नर्मदा की लहरों के बीच होने वाली यह आरती विशेष आकर्षण

का केंद्र रही आरती में कलेक्टर भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक रविन्द्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष अलका गजराज यादव, सहित भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही इसके पश्चात शाम 6 बजे से 6: 40 बजे। तक राज्यपाल ने किला परिसर में आयोजित भव्य लाइट एंड साउंड शो का अवलोकन कर लाइट एंड साउंड सिस्टम के माध्यम से महेश्वर और राजमाता अहिल्याबाई होलकर के गौरवशाली इतिहास को जीवंत देखा।

महेश्वर भ्रमण के दौरान राज्यपाल का रात्रि विश्राम नर्मदा रिट्रीट में रहेगा। यहाँ वे रात्रि भोज के उपरांत विश्राम करेंगे और बुधवार सुबह 10 बजे के लगभग पानवा हेलीपैड हेतु रवाना होंगे इसके बाद राज्यपाल अपने अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे। उनके प्रवास को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। महामहिम के स्वागत और सुरक्षा व्यवस्था में जिले के पुलिस अधीक्षक रविन्द्र वर्मा, एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल, एडिशनल एसपी शहरी बिट्टू सहगल, एसडीओपी स्वेता शुक्ला, एसडीओपी अर्चना रावत, एसडीओपी राकेश आर्य, रोहित लखेरा, सहित एक दर्जन थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ था।

वही खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल, जिला पंचायत सीईओ अपर कलेक्टर रेखा राठौड़, एसडीएम सुश्री पूर्वा मण्डलोई, एसडीएम पूर्वा मंडलोई, तहसीलदार कैलाश सस्तिया, सहित अन्य प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी महामहिम का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। राज्यपाल के साथ सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, पहुँचे थे। वही उनका महेश्वर विधायक राजकुमार मेव ने भी महामहिम राज्यपाल का भव्य स्वागत किया।

### सीरीज हार के बाद इंग्लैंड टीम पर मंडराया बड़ा खतरा!

# खिलाड़ियों पर हद से ज्यादा शराब पीने का आरोप, ब्रेक के दौरान ब्रेन समेत कई ने जमकर छलकाए थे जाम

**एडिलेड , एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में एक और हार के बाद इंग्लैंड की टीम नई मुश्किल में घिरती नजर आ रही है। तीसरे टेस्ट में 82 रन से मिली हार के बाद न सिर्फ सीरीज हाथ से निकल गई, बल्कि अब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड को टीम के व्यवहार की जांच भी करनी पड़ रही है। आरोप है कि कप्तान बेन स्टोक्स और उनके साथी खिलाड़ियों ने सीरीज के बीच लिए गए ब्रेक के दौरान जरूरत से ज्यादा शराब का सेवन किया।

**नोसा ब्रेक पर उठे सवाल-** तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड की टीम ने चार दिन का ब्रेक लिया और ऑस्ट्रेलिया के हॉलिडे रिसॉर्ट नोसा की यात्रा की। यह फैसला पहले ही कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट विशेषज्ञों की आलोचना झेल चुका था। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस दौरान कुछ खिलाड़ियों ने भारी मात्रा में शराब पी, जिससे टीम कल्चर और पेशेवर अनुशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं।

**ईसीबी जांच के मूड में-** इन आरोपों के बाद इंग्लैंड के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने साफ किया है कि मामले की जांच की जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक खिलाड़ी अच्छी तरह पेश आए थे। ईएसपीएन क्रिकइनफो ने रॉब की के हवाले से लिखा, अगर ऐसी बातें सामने आती हैं कि हमारे खिलाड़ी बाहर जाकर जरूरत से ज्यादा शराब पी रहे थे, तो निश्चित रूप से हम इसकी जांच करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए अत्यधिक शराब पीना किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है और अगर हम इसकी जांच नहीं करते, तो यह हमारी विफलता होगी। लेकिन अब तक जो मैंने सुना है, उसके मुताबिक खिलाड़ी बहुत अच्छे व्यवहार में थे।

## स्टैग पार्टी जैसा बर्ताव अस्वीकार्य

रॉब की ने यह भी साफ किया कि वह टीम कल्चर में शराब की मौजूदगी के पूरी तरह खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसकी एक सीमा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर यह मामला इतना बढ़ जाता है कि भारी शराबखोरी हो और माहौल किसी बैचलर पार्टी जैसा बन जाए, तो यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। मैं खुद शराब नहीं पीता और मुझे लगता है कि किसी भी स्थिति में शराब पीने की संस्कृति किसी की मदद नहीं करती। रॉब की ने कहा, अगर नोसा ट्रिप का मतलब फोन से दूर रहना, बीच पर जाना, साथ खाना-पीना और कभी-कभार एक ड्रिंक लेना था, तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन अगर यह इससे आगे जाता है, तो फिर यह मेरे लिए समस्या बन जाती है।

## बेथेल-ब्रूक को पहले भी मिली चेतावनी

रॉब की ने यह भी खुलासा किया कि सीरीज से पहले जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक को टीम मैनेजमेंट ने अनौपचारिक चेतावनी दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर दोनों का एक बार में शराब पीते हुए वीडियो सामने आया था। रॉब की ने कहा, डिनर के साथ एक गिलास वाइन से मुझे कोई समस्या नहीं है। उससे ज्यादा मुझे काफी गैरजरूरी लगता है। औपचारिक चेतावनी नहीं दी गई, लेकिन अनौपचारिक रूप से यह एक वेक-अप कॉल जरूर था।

## ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड का खराब रिकॉर्ड

एडिलेड में हार के बाद इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया में हार का सिलसिला लगातार चार टेस्ट तक पहुंच गया है। इंग्लैंड ने आखिरी बार 2011 में एंड्रयू स्ट्रॉस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीता था और तब सीरीज भी 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद से खेले गए 18 टेस्ट में इंग्लैंड को 16 में हार मिली है, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। सीरीज में अभी दो टेस्ट बाकी हैं और बेन स्टोक्स की टीम की कोशिश होगी कि वह इज्जत बचाते हुए 5-0 की शर्मनाक हार से बचें।

# न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान

**नई दिल्ली, एजेंसी**

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने भारत दौरे के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। न्यूजीलैंड का भारत दौरा 11 जनवरी से शुरू होगा। इस दौरे पर पहले 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद 5 मैचों की टी20 सीरीज भी होगी। ये टी20 सीरीज टी20 विश्वकप के लिहाज से अहम है क्योंकि इसके तुरंत बाद दोनों टीमें वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी। बता दें की टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। टी20 वर्ल्ड कप टीम ही न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। हालांकि, भारत ने अभी वनडे टीम का ऐलान नहीं किया है।

**न्यूजीलैंड की वनडे टीम:** माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, ज़ैक फॉल्क्स, मिच हे (विकेटकीपर), काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

**न्यूजीलैंड की टी20 टीम:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, ज़ैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवोन जैकब्स, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

## टी20 सीरीज का शेड्यूल

दोनों टीमों की टी20 सीरीज की शुरुआत 21 जनवरी से होगी। पहला मैच नागपुर में होगा। दूसरा टी20 23 जनवरी को रायपुर में होगा। तीसरा टी20 25 जनवरी को गुवाहाटी में होगा। चौथा टी20 28 जनवरी को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। जबकि सीरीज का आखिरी मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में होगा। इसके बाद 7 फरवरी से वर्ल्ड कप शुरू होगा।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से हो रहा है। पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। दूसरा वनडे मैच 14 जनवरी को राजकोट में होगा, जबकि वनडे सीरीज का आखिरी मैच 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

# कमिंस पर सस्पेंस बरकरार, टी20 वर्ल्ड कप को लेकर ऑस्ट्रेलियाई खेमे में चिंता

**मेलबर्न , एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले ञ20 वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। पीठ में स्ट्रेस से जुड़ी समस्या से जूझ रहे कमिंस की स्थिति को लेकर ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि फिलहाल तस्वीर काफी धुंधली है। कमिंस एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन तीसरे टेस्ट में उन्होंने वापसी की और 6 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि इसके बाद वह सीरीज के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेंगे और उनका टी20 वर्ल्ड कप में खेलना भी अनिश्चित बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम की कमान फिलहाल ऑलराउंडर मिचेल मार्श के हाथों में है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से

एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, वर्ल्ड कप को लेकर आगे क्या होगा, पैट वहां होंगे या नहीं, इस पर अभी कुछ साफ नहीं कह सकता। स्थिति अभी काफी धुंधली है। हम उम्मीद जरूर कर रहे हैं। दरअसल, वेस्टइंडीज दौरे के दौरान जुलाई में पैट कमिंस को कमर में स्ट्रेस रिएक्शन की समस्या हुई थी। इसके बाद उन्होंने रिहैबिलिटेशन कराया और एडिलेड टेस्ट में उन्हें बेहद सावधानी के साथ वापसी की अनुमति दी गई। मैकडोनाल्ड ने आगे कहा, वह ठीक महसूस कर रहे हैं। वह सीरीज के बाकी हिस्से में नहीं खेलेंगे और यह फैसला हमने काफी पहले ही तय कर लिया था।

## फैसले से पैट भी सहमत

उन्होंने यह भी जोड़ा, अब उन्हें आगे और जोखिम में डालना या लंबे समय के लिए उनकी फिटनेस को खतरे में डालना हम नहीं चाहते। इस फैसले से पैट भी पूरी तरह सहमत हैं। टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 8 मार्च को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। हालांकि पैट कमिंस टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं, लेकिन टी20 फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई मिचेल मार्श ही कर रहे हैं।

# इंडोनेशिया के गेंदबाज ने रचा इतिहास, एक ओवर में झटके पांच विकेट

**बाली।** इंडोनेशिया के गेंदबाज गेडे परियांदाना ने इतिहास रच दिया है। परियांदाना टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक ओवर में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। परियांदाना ने यह उपलब्धि कंबोडिया के खिलाफ बाली में खेले गए मैच के दौरान हासिल की। पुरुष या महिला क्रिकेट में वह ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। परियांदाना ने पहले हैट्रिक पूरी की और फिर अगली दो गेंदों पर भी विकेट निकाला। परियांदाना ने यह कारनामा तब किया जब 168 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही कंबोडिया की टीम 15 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। अपना पहला ओवर डालते हुए परियांदाना ने पहली तीन गेंदों पर लगातार विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की। उन्होंने इस क्रम में शाह अबरार हुसैन, निर्मलजीत सिंह और चंथोउन रथानक को पवेलियन भेजा। इसके बाद उन्होंने एक डॉट गेंद फेंका और फिर मोंगदारा सॉक को आउट किया।

# राशिद का दर्द , बुलेटप्रूफ कार के बिना नहीं चल सकता, पता नहीं कब लग जाए गोली

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अफगानिस्तान के क्रिकेट सुपरस्टार राशिद खान ने अपने देश में यात्रा के दौरान अपनाए जाने वाले असाधारण सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने खुलासा किया कि अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए उन्हें बुलेटप्रूफ कार का इस्तेमाल करना पड़ता है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ एक इंटरव्यू के दौरान राशिद ने बताया कि अफगानिस्तान में उनके लिए आज़ादी से घूमना संभव नहीं है, जिसे सुनकर पीटरसन भी हैरान रह गए।

जब उनसे पूछा गया कि घर पर उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी कैसी होती है, तो राशिद ने साफ कहा, कोई चांस ही नहीं। मैं सामान्य कार में भी नहीं जा सकता। मुझे बुलेटप्रूफ कार ही लेनी पड़ती है। मैं सिर्फ अपनी बुलेटप्रूफ कार में ही सफर करता हूं।

**चौंक गए पीटरसन-** पीटरसन यह सुनकर चौंक गए और उन्होंने पूछा कि इतनी कड़ी सुरक्षा की ज़रूरत क्यों पड़ती है। इस पर राशिद ने बेहद शांत लहजे में समझाया कि भले ही वह सीधे तौर पर किसी के निशाने पर नहीं हैं, लेकिन सुरक्षा हालात की अनिश्चितता के चलते यह सुरक्षा बेहद ज़रूरी हो जाती है। राशिद ने कहा कि कब आप कहां फंस जाएंगे इसका अंदाजा भी नहीं। कब कौन सी गोली कहां से आए। इसलिए ऐसा करना पड़ता है। राशिद ने आगे कहा कि यह गाड़ी खास तौर पर उनके लिए बनवाई गई है और अफगानिस्तान में इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था कोई असामान्य बात नहीं है।

## बोले-अफगानिस्तान में ये सामान्य

राशिद खान ने कहा, बहुत से लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। अफगानिस्तान में यह एक सामान्य बात है। राशिद की यह बातें उनके घरेलू जीवन और विदेशों में उनके स्टारडम के बीच के गहरे अंतर को उजागर करती हैं। नांगरहार प्रांत में जन्मे राशिद ने युद्धग्रस्त अफगान क्रिकेट परिदृश्य से निकलकर खुद को दुनिया के सबसे खतरनाक टी20 गेंदबाज़ों में शुमार किया है।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

### 2 बार टूटी शादी-झेला दर्द, लेकिन नहीं टूटी दलजीत कौर

# रूपल त्यागी ने रचाई शादी, महिमा मकवाना की मौजूदगी में हुई भावुक

**टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रूपल त्यागी हाल ही में शादी के बंधन में बंध गईं। अभिनेत्री की शादी में मनोरंजन जगत से कई लोगों ने शिरकत की थी, लेकिन एक खास मेहमान ने भी शिरकत की थी, जिनका नाम है महिमा मकवाना।**

शादी में अभिनेत्री के शामिल होने पर रूपल ने खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर महिमा के साथ तस्वीर शेयर की। इसमें दोनों एक-दूसरे के साथ खास बॉन्ड शेयर करते दिख रही हैं।

अभिनेत्री ने लिखा, सपने सुहाने लड़कपन के सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण सफर था। इस दौरान मैंने जिंदगी के सबसे खुशी भरे पल और कठिन क्षण भी देखे थे। यही कारण है कि यह अनुभव मेरे दिल के बेहद करीब है। धीरे-धीरे शो से जुड़े सभी कलाकार और क्रू उनके परिवार जैसे बन गए। अभिनेत्री ने आगे लिखा, आज भी महिमा मकवाना को देखती हूं, तो भावुक हो जाती

हूं। अगर गुंजन की शादी में रचना की मौजूदगी न होती, तो वह अधूरी सी लगती। ठीक वैसे ही, शो के हर सदस्य की उपस्थिति मेरे लिए खास दिन को पूरा बनाती है। आप सभी ने समय निकालकर मेरा साथ दिया, इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। आपने इस दिन को हमेशा यादगार बना दिया।

अभिनेत्री ने यह भी जिक्र किया कि उन्हें अफसोस है कि वे निहारिक मैम, निलिमा और राजू सर के साथ एक भी फोटो नहीं खिंचवा पाईं, लेकिन बाकी सभी के साथ यादें और तस्वीरें संजो पाईं, जो उनके लिए अनमोल हैं। रूपल ने सभी के प्रति ढेर सारा प्यार, कृतज्ञता और अपनापन व्यक्त किया और कहा कि ये यादें हमेशा उनके दिल में बसी रहेंगी। बता दें कि रूपल त्यागी और महिमा मकवाना ने धारावाहिक %सपने सुहाने लड़कपन के में दो बहनों का किरदार निभाया था, जहां रूपल गुंजन के किरदार में दिखी थी, तो वहीं महिमा ने रचना का किरदार निभाया था।

# वापसी पर बोले नवाजुद्दीन, पुराने किरदार में लौटना खुद को दोबारा खोजने जैसा

मुंबई। भारतीय सिनेमा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी उन अभिनेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से हर बार दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया है। वह अपने किरदारों को सिर्फ निभाते नहीं, बल्कि उन्हें जीते हैं। इसी वजह से उनके निभाए किरदार लंबे समय तक लोगों के मन में बसे रहते हैं। इस बीच नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म रात अकेली है के सीक्वल रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स में इंस्पेक्टर जटिल यादव के किरदार को लेकर बड़ा बयान दिया। इस मौके पर उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सालों बाद उसी किरदार में लौटना उनके लिए एक भावनात्मक भरा सफर रहा।

नवाजुद्दीन ने कहा, जब मैं दोबारा जटिल यादव के किरदार में लौटा, तो यह सिर्फ एक रोल नहीं था, बल्कि खुद को और किरदार दोनों को नए नजरिए से समझने की प्रक्रिया थी। समय के साथ इंसान बदलता है, उसकी सोच बदलती है, और यही बदलाव किरदार में भी नजर आया। जटिल अब पहले जैसा नहीं रहा। जिंदगी, समय और अलग-अलग केस ने उसे भीतर से बदल दिया है, लेकिन एक बात जो बिल्कुल नहीं बदली, वह है उसका सच के प्रति रिश्ता। जटिल आज भी हर केस को निष्पक्ष नजर से देखता है और किसी भी दबाव के आगे झुककर सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ता। अभिनेता ने कहा, जटिल अपने जज्बातों को खुलकर जाहिर नहीं करता। इस किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद के भीतर और गहराई तक जाना पड़ा, क्योंकि ऐसे किरदार को निभाने के लिए शांति जरूरी होती है। कई बार डायलॉग्स से ज्यादा खामोशी बोलती है।

## मेट्रो बाजार

# एशियाई बाजारों में मजबूती, निवेशकों की नजर अमेरिका के आंकड़ों और फेड के रुख पर

**नई दिल्ली।** हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को एशियाई शेयर बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर रहे, क्योंकि वॉल स्ट्रीट के बेंचमार्क बाजार अपेक्षाकृत शांत रहने वाले अवकाश सप्ताह की शुरुआत में बढ़े। वहीं तेल की कीमतों और अमेरिकी वायदा कीमतों में गिरावट आई। डॉलर सोमवार देर रात के 157.04 येन से गिरकर 156.03 येन पर कारोबार कर रहा था। यूरो 1.1762 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1.1777 अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

**जानें एशियाई बाजारों का हाल-** टोक्यो का निक्केई 225 0.1 प्रतिशत गिरकर 50,359.78 पर आ गया, और डॉलर जापानी येन के मुकाबले गिर गया, क्योंकि टोक्यो के अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर येन में तेजी से कमजोरी आई तो वे हस्तक्षेप करेंगे। हांगकांग का हैंग सेंग शुरुआती बढ़त गंवाकर 0.1 प्रतिशत गिरकर 25,762.64 पर आ गया। वहीं शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.1 प्रतिशत बढ़कर 3,920.16 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.3 प्रतिशत बढ़कर 4,117.15 पर पहुंच गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 1.1 प्रतिशत बढ़कर 8,795.70 पर पहुंच गया। ताइवान में सेंसेक्स में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि भारत का सेंसेक्स लगभग

### भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता

# सेब और कीवी पर ड्यूटी छूट अब शर्तों के साथ, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर टिका सौदा

**नई दिल्ली।** भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी व्यापारिक कूटनीति में एक नया और रणनीतिक अध्याय जोड़ते हुए न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। भारत ने साफ किया है कि न्यूजीलैंड से आने वाले सेब, कीवी और प्रीमियम मानुका हनी (शहद) को भारतीय बाजार में शुल्क रियायतें तभी मिलेंगी, जब वह भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के अपने वादों को धरातल पर उतारेगा। केंद्र सरकार ने इन रियायतों को सीधे तौर पर कृषि उत्पादकता एक्शन प्लान से लिंक कर दिया है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेशी माल के साथ-साथ विदेशी तकनीक भी भारतीय खेतों तक पहुंचे। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस पूरे तंत्र की निगरानी के लिए एक विशेष संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद का गठन किया जाएगा। यह परिषद देखेगी कि न्यूज़ीलैंड समझौते के तहत किए गए वादों- जैसे कि बागवानी में तकनीकी सुधार और क्षमता निर्माण- को पूरा कर रहा है या नहीं। यह कदम घरेलू कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा और बाजार पहुंच के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। समझौते की शर्तों के मुताबिक, न्यूज़ीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद उत्पादन की गुणवत्ता और क्षमता बढ़ाने के लिए फोकस्ड एक्शन प्लान पर सहमति जताई है। इसके तहत न्यूज़ीलैंड भारत में सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने में मदद करेगा। सहयोग के इस ढांचे में बागान मालिकों के लिए बेहतर पौध सामग्री उपलब्ध कराना, क्षमता निर्माण, बागान प्रबंधन में तकनीकी सहायता, फसल कटाई के बाद के प्रबंधन , सप्लाई चेन को मजबूत करना और खाद्य सुरक्षा के मानक तय करना शामिल है।

# क्रिसमस की तैयारियां जोरों पर, चर्च और बाजारों में रौनक बढ़ी, लोगों में उत्साह

**नई दिल्ली।** दुनियाभर में क्रिसमस का जादू छाने लगा है। सर्द हवाओं के बीच गिरजाघरों की भव्य सजावट और बाजारों में खरीदारी की रौनक बढ़ने लगी है। 25 दिसंबर को मनाए जाने वाले इस पवित्र पर्व की तैयारियां तेज है, जहां ईसाई समुदाय के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोग भी उत्साह में शामिल हो रहे हैं। गिरजाघरों में सजावट का कार्य अंतिम चरणों में है। सैक्रेड हार्ट कैथेड्रल में विशाल क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी लाइट्स, गोल्डन स्टार्स और सफेद झालरों से सजाया जा रहा है। चर्च के अंदर मोमबत्तियों की रोशनी और फूलों की मालाओं से आध्यात्मिक माहौल दिया जा रहा है।

*असम की राजधानी गुवाहाटी में एक कर्मचारी क्रिसमस पर्व से पहले यीशु मसीह की प्रतिमा की सफाई करता हुआ। त्योहार की तैयारियों के तहत चर्च परिसरों में सजावट और साफ-सफाई का काम जोरों पर है।*



मुंबई की है, जहां बाजार में क्रिसमस सजावट से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी करते नजर आए। त्योहार से पहले बाजारों में क्रिसमस ट्री, सितारे और रंग-बिरंगी लाइट्स की अच्छी-खासी रौनक दिखाई दी।

रूस की राजधानी मॉस्को का है, जहां वीएनडीएनख परिसर में नए साल और क्रिसमस की तैयारियां पूरे शबाब पर नजर आईं। 'एक्जीबिशन ऑफ अचीवमेंट्स ऑफ नेशनल इकॉनमी' के नाम से मशहूर इस ऐतिहासिक परिसर की गलियां रंग-बिरंगी लाइट्स और सजावट से जगमगा उठीं।

## न्यूज विंडो

### पंजाबी सिंगर अमर नूरी को मिली जान से मारने की धमकी

**लुधियाना।** पंजाबी गायिका और अदाकारा अमर नूरी को एक धमकी भरी कॉल मिली। कॉल करने वाले ने खुद को इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह बताते हुए अमर नूरी को धमकाया है और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।आरोपित ने कहा कि अमर नूरी का बेटा, जो संगीत और गायन के क्षेत्र में सक्रिय है, यदि गाना-बजाना और म्यूजिक का काम बंद नहीं करता तो उसे और उसके पूरे परिवार को अंजाम भुगतना पड़ेगा। अमन नूरी प्रसिद्ध गायक सरदूल सिकंदर की पत्नी हैं। धमकी भरी कॉल आने के बाद अमर नूरी और उनके परिवार ने पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपित तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

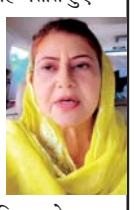

### भीषण सड़क हादसा, स्कार्पियो पलटी, दो की मौत, सात घायल

**गड़खा (सारण)।** सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र अंतर्गत अलोनी गांव के समीप देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। छपरा से गड़खा की ओर जा रही एक स्कार्पियो का पिछला चक्का अलोनी बाजार के पास अचानक फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि स्कार्पियो सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दुर्घटना में मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के आर्य नगर निचला रोड निवासी गंगा सागर महतो के पुत्र अर्जुन महतो तथा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लोहरी गांव निवासी स्व. चुन्नीलाल मांझी के पुत्र पंकज कुमार के रूप में की गई है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे में घायल लोगों में नगर थाना क्षेत्र के आर्य नगर निकली रोड निवासी राजू कुमार, विपिन कुमार, जलेश्वर महतो, विमलेश कुमार, पर्वत, लगन कुमार, गुड्डू कुमार तथा सिवान जिले के दुरौंधा थाना क्षेत्र के धोनी कुमार शामिल हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल छपरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

**छठी जा रहे थे लोग:** बताया जाता है कि सभी लोग स्कॉर्पियो से गड़खा में आयोजित छठी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। रास्ते में अलोनी बाजार के समीप अचानक टायर फटने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और स्कॉर्पियो पलट गई।

### गाजियाबाद: कुत्ते को पीटने पर तनाव, जमकर हुई नारेबाजी

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद जनपद में गोविंदपुरम के पास बालाजी एंक्लेव कॉलोनी में मंगलवार देर रात कुत्ते को पीटने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने हंगामा कर दिया। आरोप लगाया कि एक दूसरे समुदाय के परिवार ने कुत्ते के साथ मारपीट की है। कुछ ही देर में पूरी कॉलोनी के लोग एकत्र हो गए और उस परिवार के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार को सुरक्षित करते हुए थाने पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गली में एक ही समुदाय का परिवार है और वह पशुओं के प्रति क्रूरता करते हैं, जबकि मुस्लिम परिवार ने बताया कि वह तो रोजाना कुत्ते को खाना खिलाते हैं। बताया कि ाम को कुत्ते ने भोजन नहीं किया तो उन्होंने प्यार से उसके मार दिया। लोगों ने इसे ही विवाद का रूप दे दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत मिली है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

## भाई ने खोली बांग्लादेश के झूठ की पोल

# यूनुस सरकार ने ही कराई थी उस्मान हादी की हत्या

**ढाका, एजेंसी**

बांग्लादेश के कट्टरपंथी भारत विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या को लेकर उनके भाई ने बड़ा खुलासा किया है। शरीफ उमर हादी ने आरोप लगाया है कि यूनुस सरकार के अंदर ही एक गुट ने आने वाले राष्ट्रीय चुनाव को पटरी से उतारने के लिए उस्मान हादी की हत्या की साजिश रची। सरकार को संबोधित करते हुए उमर हादी ने कहा, 'तुमने ही उस्मान हादी की हत्या करवाई है, और अब तुम इसे मुद्दा बनाकर चुनाव को नाकाम करने की कोशिश कर रहे हो।' उन्होंने यह बात ढाका के शाहबाग में नेशनल म्यूजियम के सामने इंकलाब मंच द्वारा आयोजित 'शहीदी शपथ' कार्यक्रम के दौरान कही।

### बांग्लादेशी अधिकारियों से किया अनुरोध

उमर ने बताया कि उनके भाई चाहते थे कि राष्ट्रीय चुनाव फरवरी तक हो जाएं। अपने भाई की इच्छा का सम्मान करते हुए, उन्होंने अधिकारियों से चुनाव के माहौल को खराब न करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'हत्यारों पर जल्द से जल्द मुकदमा चलाएं ताकि चुनाव का माहौल खराब न हो। सरकार हमारे सामने कोई ठोस प्रगति पेश करने में नाकाम रही है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो एक दिन तुम्हें भी बांग्लादेश से भागना पड़ेगा।'

### 'विदेशी आकाओं' के सामने घुटने नहीं टेके

उन्होंने आगे दावा किया कि हादी की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने किसी एजेंसी या 'विदेशी आकाओं' के सामने घुटने नहीं टेके। रैली में इंकलाब मंच के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने मुख्य वक्ता के तौर पर बात की। उन्होंने हत्यारों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए सरकार को दिए गए 30 दिनों के अल्टीमेटम को दोहराया - यह समय सीमा सबसे पहले सोमवार को एक प्रेस बयान में घोषित की गई थी।

### 'नौकरी से निकालो, वरना दफ्तर में आग लगा देंगे'

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में कट्टरपंथी बेलगाम हैं और पूरे देश में अराजकता और हिंसा का माहौल है। कट्टरपंथी बांग्लादेश के लोकतंत्र को तबाह करने पर तुले हैं और इसके लिए

**बांग्लादेश में एक और मीडिया चैनल को मिली धमकी**

वे स्वतंत्र मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। जो भी मीडिया संस्थान या पत्रकार बांग्लादेश के मौजूदा हालात और कट्टरपंथियों के खिलाफ बात करता है, उसे निशाना बनाया जा रहा है। अब कट्टरपंथियों के निशाने पर आई हैं बांग्लादेश की वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी। कट्टरपंथियों ने ग्लोबल टीवी को धमकी दी है कि अगर उन्होंने 48 घंटे के भीतर नाजनीन मुन्नी को नौकरी से नहीं निकाला तो वे ग्लोबल टीवी के दफ्तर में भी आग लगा देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते दिन युवाओं का एक समूह ढाका स्थित ग्लोबल टीवी के दफ्तर पहुंचा था। इन लोगों ने चैनल के एमडी अहमद हुसैन से मुलाकात की और मांग की कि चैनल की न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से निकाला जाए। युवाओं के इस समूह ने खुद को एंटी डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के सदस्य बताया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन लोगों ने धमकी दी कि अगर मुन्नी को नौकरी से नहीं निकाला गया तो वे चैनल के ऑफिस को आग लगा देंगे।

### चप्पा-चप्पा खंगाला, क्रिसमस और नववर्ष से पहले सुरक्षा कड़ी

**श्रीनगर।** घाटी में बर्फबारी के बीच क्रिसमस पर्व व नववर्ष को देखते हुए पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इसके मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पर्यटकों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहीं। श्रीनगर शहर सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

पुलिस की ओर से सुरक्षा को और मजबूत करने और किसी भी संभावित आतंकी खतरे से निपटने के लिए जगह-जगह एरिया डोमिनेशन के साथ साथ एंटी-सबोटाज ऑपरेशन जारी हैं।इसी सिलसिले में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को भी श्रीनगर शहर में महत्वपूर्ण ठिकानों के आसपास एंटी-सबोटाज ऑपरेशन चलाए गए। श्रीनगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के साथ मिलकर श्रीनगर के नॉर्थ जोन में प्रमुख महत्वपूर्ण ठिकानों और संवेदनशील जगहों के आसपास एरिया सिक्योरिटी और एंटी-सबोटाज (एएसटी) ऑपरेशन ऑपरेशन चलाए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार टीमों को मुख्य चौराहों और बाजारों में तैनात किया गया था जहां उन्होंने गाड़ियों की जांच की, दस्तावेज वेरिफाई किए और ड्राइवरों से पूछताछ की। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने दुकानों और संदिग्ध इमारतों के अंदर भी तलाशी ली गई। जवानों के साथ विशेष खोजी कुत्तों के दस्ते भी थे। उन्होंने कहा कि इस संयुक्त सुरक्षा अभ्यास का उद्देश्य समग्र सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना, ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के साथ-साथ आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान चिन्हित किए गए इलाकों की पूरी तरह से जांच और सैनिटाइजेशन किया गया। साथ ही मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा भी की गई।

### कश्मीर के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी, अगले 24 घंटे मुश्किल भरे

**श्रीनगर, एजेंसी**

जम्मू-कश्मीर के पांच जिलों के लिए मौसम विभाग ने हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने इस संबंध में बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के ऊंचे इलाकों में हाल ही में हुई भारी बर्फबारी को देखते हुए आज जम्मू और कश्मीर के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग ने पांच जिलों डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की संभावना है। लोगों से हिमस्खलन वाले इलाकों से बचने और आधिकारिक सलाह मानने को कहा गया है।

एवलांच तब आता है, जब ऊंची चोटियों पर ज्यादा मात्रा बर्फ जम जाती है और दबाव ज्यादा होने पर बर्फ अपनी जगह से खिसक जाती है। बर्फ की परतें खिसकती हैं और तेज बहाव के साथ नीचे की ओर बहने लगती हैं। रास्ते में जो कुछ आता है, उसे भी ये बहा ले जाती हैं। इसलिए पर्वतारोहण काफी जोखिमभरा होता है।

मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 28 दिसंबर तक लगभग बादल छाए रहेंगे। इसके बाद 29 दिसंबर से एक जनवरी तक कई हिस्सों में बर्फबारी और बारिश के आसार हैं।

## संयुक्त राष्ट्र की बैठक में अमेरिका ने ईरान को दी सलाह

# आग से दूर हट जाओ, ट्रंप का हाथ थाम लो

**वॉशिंगटन, एजेंसी**

ईरान और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक विवादास्पद बैठक में कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं की पुष्टि की। हालांकि, परमाणु समझौते पर ट्रंप प्रशासन और इस्लामिक गणराज्य के बीच की खाई अभी भी गहरी बनी हुई है। जून में ईरान के साथ इस्राइल के 12 दिन चले युद्ध के तुरंत बाद वॉशिंगटन और तेहरान के बीच वार्ता का छठा दौर निर्धारित किया गया था। इस दौरान अमेरिका ने इस्राइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। वार्ता रद्द कर दी गई और सितंबर में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी प्रत्यक्ष परमाणु वार्ता को नकार दिया।

**ईरानी राजदूत बोले- किसी दबाव और धमकी के आगे नहीं झुकेंगे:** ओर्टागस ने कहा कि ट्रंप ने अपने दोनों कार्यकालों के दौरान ईरान की ओर कूटनीति का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'कूटनीति का हाथ थामने के बजाय, आप आग में हाथ डालना जारी रखे हुए हैं। आग से दूर हट जाइए और राष्ट्रपति ट्रंप की कूटनीति के हाथ को थाम लीजिए। यह हाथ आपकी ओर बढ़ाया गया है।'

### UN में बोला ईरान-भरोसे को बहाल करें पश्चिमी देश

ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने सुरक्षा परिषद को बताया कि ईरान सैद्धांतिक कूटनीति और वास्तविक बातचीत के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अब फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वे अपना रुख बदलें और विश्वास और भरोसे को बहाल करने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम उठाएं। दोनों देशों के राजनयिकों के बीच बातचीत में अमेरिकी मिशन की काउंसलर मॉर्गन ओर्टागस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ औपचारिक वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन केवल तभी जब तेहरान प्रत्यक्ष और सार्थक बातचीत के लिए तैयार हो।

## मेट्रो एंकर

## वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- भारत की सबसे बड़ी ताकत युवा और कुशल कार्यबल

# एफटीए से भारतीय पेशवरों के लिए विदेशों में खुलेंगे नए अवसर

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत सरकार के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा है कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों में प्रोफेशनल सेवाओं को लेकर किए गए कानूनी प्रावधान, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर और आर्किटेक्ट जैसे प्रोफेशनल्स के लिए विदेशों में काम के नए रास्ते खोलेंगे।

उन्होंने बताया कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा और कुशल कार्यबल है। दुनिया के कई देशों में प्रोफेशनल सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत इस जरूरत को पूरा कर सकता है। इस क्षमता का पूरा लाभ उठाने के लिए अग्रवाल ने वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक जरूरतों और तकनीकी विकास के अनुरूप पेशेवरों के कौशल को लगातार अपग्रेड करना बेहद जरूरी है। वाणिज्य सचिव ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) जैसे पेशेवर संगठनों से भी

अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करें और उनमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। इससे ज्ञान साझा करने, वैश्विक सहयोग बढ़ाने और भारतीय पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने में मदद मिलेगी।

### भारतीय पेशवरों को वैश्विक बाजार तक पहुंच दिलाने तीन चीजें बेहद जरूरी

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रोफेशनल सेवाओं को वैश्विक बाजार तक पहुंच दिलाने के लिए तीन चीजें बेहद जरूरी हैं हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल, घरेलू इकोसिस्टम में सुधार और एफटीए के तहत प्रोफेशनल सेवाओं पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं। बता दें कि भारत को कई एफटीए के तहत प्रोफेशनल सेवाओं के लिए अहम प्रतिबद्धताएं मिली हैं। इसमें हाल ही में हुआ भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता भी शामिल है, जिसके तहत भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए आसान नियम और वीजा सुविधा दी जाएगी। इस समझौते के तहत योग प्रशिक्षक, शेफ, आयुष प्रोफेशनल्स, आईटी और शिक्षा क्षेत्र के शिक्षक, नर्स और केयरगिवर समेत करीब 5,000 भारतीय प्रोफेशनल्स को न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था में सेवाएं देने के लिए प्रोफेशनल वीजा मिलेगा।

### बैठकों में चार अहम मुद्दों पर चर्चा हुई

- भारतीय प्रोफेशनल्स को वैश्विक स्तर के लिए तैयार करना है। -म्यूचुअल रिकग्निशन एग्रीमेंट्स और समझौता ज्ञापनों के जरिए अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी बढ़ाना है। -विदेशों में प्रोफेशनल नेटवर्क और चैप्टर का विस्तार है। -एफटीए के जरिए प्रोफेशनल सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देना है।

एमआरए को लेकर चर्चाओं में यह सामने आया कि ऐसे समझौते करना और पहले से मौजूद समझौतों का सही इस्तेमाल करना बड़ी चुनौती है। इस पर जोर दिया गया कि एमआरए कितने कारगर हैं, इसे परखने के लिए साफ और मापने योग्य परिणाम तय किए जाएं। बैठक में यह भी कहा कि भारत में विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए ज्यादा खुलापन होना चाहिए, ताकि दोनों पक्षों के लिए फायदे की स्थिति बन सके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564